epaper.dehatsandesh.com

3 नटरंग के संडे थिएटर में मंचित हुआ हिंदी नाटक 'रामकृष्ण परमहंस'
5 घुटने की चोट के कारण सेरेना विलियम्स ने डबल्स से नाम वापिस लिया
8 साहिब बंदगी द्वारा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

मौसम जम्मू न्यूनतम 26 अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-167 | जम्मू तवी, सोमवार 06 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

चंदनवाड़ी पहुंचे उपराज्यपाल, यात्रा की जमीनी स्थिति और श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की

- उपराज्यपाल ने यात्रा प्रबंधन टीमों को श्रद्धालुओं से प्राप्त सुझावों और प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करने तथा चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए
- समूची सरकार के समन्वित प्रयासों से भगवान शिव के भक्तों को उत्कृष्ट भोजन और आवास उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। मैं चाहता हूं कि प्रत्येक यात्री को बाबा बर्फानी के पावन दर्शन हों और उन्हें एक गहन आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त हो
- उपराज्यपाल ने चंदनवाड़ी बेस अस्पताल का निरीक्षण कर यात्रियों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का भी जायजा लिया

श्रीनगर, 05 जुलाई। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने रविवार को चंदनवाड़ी का दौरा कर श्री अमरनाथ जी यात्रा की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वहां की जमीनी स्थिति तथा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उपराज्यपाल ने अधिकारियों, यात्रियों, स्वयंसेवकों, लंगर सेवादारों तथा अन्य सेवा प्रदाताओं से बातचीत की। उन्होंने यात्रा प्रबंधन टीमों को निर्देश दिया कि वे श्रद्धालुओं से प्राप्त सुझावों और प्रतिक्रियाओं का नियमित अध्ययन करें तथा चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराने के लिए हर समय तैयार रहें। उपराज्यपाल ने कहा, समूची सरकार के समन्वित प्रयासों से भगवान शिव के भक्तों को उत्कृष्ट भोजन और आवास उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। मैं चाहता हूं कि प्रत्येक यात्री को बाबा बर्फानी के पावन दर्शन हों और उन्हें एक गहन तथा अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त हो। दौरे के दौरान ने चंदनवाड़ी स्थित बेस अस्पताल का निरीक्षण कर यात्रियों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल के वार्डों, प्रयोगशालाओं तथा आपातकालीन इकाई का निरीक्षण किया और उपचाराधीन मरीजों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य तथा उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उपराज्यपाल ने यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में चिकित्सकों, पैरामेडिकल कर्मियों तथा स्वास्थ्य कर्मचारियों की समर्पित सेवाओं की सराहना की। अधिकारियों ने उपराज्यपाल को बताया कि अस्पताल में दवाइयों तथा आवश्यक चिकित्सा उपकरणों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ तथा पैरामेडिकल कर्मियों की तैनाती की गई है ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत उपचार उपलब्ध कराया जा सके। प्रतिदिन सभी यात्रियों, सेवा प्रदाताओं तथा सहयोगी कर्मचारियों को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं तथा बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में प्रतिदिन औसतन 2,500 मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए उपराज्यपाल ने कहा, पिछले चार वर्षों से मैं स्वयं श्री अमरनाथ जी यात्रा की व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी कर रहा हूं। इस वर्ष यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इसे देखते हुए प्रशासन, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड तथा यात्रा से जुड़े सभी विभागों और हितधारकों ने पिछले वर्षों की तुलना में कहीं बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। हालांकि, बड़ी संख्या में बिना पंजीकरण वाले श्रद्धालु भी यात्रा के लिए पहुंच रहे हैं। मैं ऐसे सभी श्रद्धालुओं से आग्रह करता हूं कि वे धैर्य रखें और अपनी बारी का इंतजार करें। यात्रा को सुरक्षित, सुचारु और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए उनका सहयोग अत्यंत आवश्यक है। कृपया यह ध्यान रखें कि चंदनवाड़ी तथा बालटाल, दोनों मार्गों पर प्रतिदिन यात्रियों की संख्या की निर्धारित सीमा तय है, जिसे बढ़ाया नहीं जा सकता। सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा परेशानी मुक्त यात्रा के लिए इन नियमों

जम्मू से 6,721 अमरनाथ तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था रवाना, 87 विदेशी नागरिक भी शामिल

जम्मू, 05 जुलाई । अमरनाथ तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था आज तड़के जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से दो बेस कैंपों (आधार शिविरों) के लिए रवाना हुआ। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। 2,590 तीर्थयात्रियों ने छोटे बालटाल रूट को चुना जबकि 4,131 ने पारंपरिक पहलगाम रूट को चुना है। इस जत्थे में 4,576 पुरुष तीर्थयात्री, 1,310 महिलाएं, 22 बच्चे, 572 साधु, 154 साध्वियां, 38 विदेशी पुरुष श्रद्धालु और 49 विदेशी महिला श्रद्धालु शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बालटाल जाने वाला काफिला जिसमें 152 गाड़ियां (50 बसें, 12 मीडियम मोटर वाहन और 90 हल्के मोटर वाहन) शामिल थीं सुबह 3ः15 बजे भगवती नगर से रवाना हुआ।

पहलगाम जाने वाला काफिला जिसमें 139 गाड़ियां (84 बसें, 25 मीडियम मोटर वाहन और 30 हल्के मोटर वाहन) शामिल थीं सुबह 3ः45 बजे रवाना हुआ।

यह वार्षिक तीर्थयात्रा कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था के तहत आयोजित की जा रही है। यात्रा को सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सिविल प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड ने मिलकर इंतजाम किए हैं।

श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026: नूनवान बेस कैंप के लंगरों का खाद्य सुरक्षा टीम ने किया निरीक्षण

अनंतनाग, 05 जुलाई। श्री अमरनाथ जी यात्रा (संजय)-2026 के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग, अनंतनाग ने शनिवार को पहलगाम स्थित नूनवान बेस कैंप के विभिन्न लंगरों का व्यापक निरीक्षण किया।

यह निरीक्षण जम्मू-कश्मीर खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त के निर्देशों पर किया गया। खाद्य सुरक्षा टीम ने भोजन तैयार करने वाले स्थानों, स्वच्छता एवं साफ-सफाई की व्यवस्था, कच्चे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्रोत, भंडारण व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, भोजन तैयार करने वाले कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता तथा खाद्य-ग्रेड बर्तनों एवं उपकरणों के उपयोग का गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण अभियान के दौरान टीम ने लंगर कर्मियों को फेस मास्क, सिर ढकने के लिए कैप तथा दस्ताने सहित आवश्यक सुरक्षा सामग्री वितरित की। साथ ही उन्हें भोजन तैयार करने और परोसने के दौरान इन सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की सलाह दी, ताकि भोजन दूषित होने से रोका जा सके।

अधिकारियों ने लंगर प्रबंधन समितियों तथा भोजन तैयार करने वाले कर्मियों को यात्रा अवधि के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता के सभी मानकों का सख्ती से पालन करने के प्रति जागरूक भी किया।

यात्रा के दौरान खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभाग ने जिला अनंतनाग में दो मोबाइल खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं तैनात की हैं। इन मोबाइल प्रयोगशालाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को परोसे जा रहे भोजन की मौके पर ही जांच कर उसकी गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने बताया कि श्री अमरनाथ जी यात्रा की पूरी अवधि के दौरान नियमित निरीक्षण एवं निगरानी अभियान जारी रहेगा, ताकि श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा संबंधी सभी नियमों का कड़ाई से पालन कराया जा सके।

शिवराज सिंह ने वीबी-जी राम जी योजना के तहत राज्यों को 25,863 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की

नई दिल्ली, 05 जुलाई । केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को विकसित भारत ःगारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी ःजी राम जी) योजना के सुचारु संचालन के लिए सभी राज्यों को 25,863 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की।

मंत्री ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि श्रमिकों को 15 दिनों के भीतर उनकी मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित किया जा सके।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक जुलाई से पूरे देश में लागू हुई इस नई योजना का ट्रांजीशन (मनरेगा से वीबी-जी राम जी में बदलाव) पूरी तरह से निर्बाध और सफल रहा है।

इस योजना के तहत मजदूरी दरों में औसतन लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। अब देश के किसी भी राय में न्यूनतम मजदूरी 300 रुपये प्रतिदिन से कम नहीं होगी। ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड को भी प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने को कहा गया है।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि योजना में किसी भी प्रकार के फर्जीवाड़े या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए सरकार कई तकनीकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कर रही है। इनमें चेहरा प्रमाणीकरण, जियो-टैगिंग और क्षेत्रीय अधिकारियों की तैनाती शामिल है। इस उच स्तरीय समीक्षा बैठक में केंद्रीय ग्रामीण विकास राय मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, राय मंत्री कमलेश पासवान, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव रोहित कंसल, संयुक्त सचिव रोहिणी आर. भाजीभाकरे सहित विभिन्न रायों के ग्रामीण विकास मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी डिजिटल माध्यम से शामिल हुए।

तेज बहाव में फंसे पांच लोगों को पुलिस ने बचाया, बड़ी त्रासदी टली

सांबा, 05 जुलाई । सांबा पुलिस ने बहादुरी और तत्परता का परिचय देते हुए बसंतर नदी के तेज बहाव में फंसे पांच लोगों की जान बचाकर एक बड़ी त्रासदी टाल दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस थाना सांबा को सूचना मिली कि अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण थाना परिसर के पीछे बह रही बसंतर नदी में पांच लोग तेज धारा में फंस गए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर परवेज अहमद खांडे अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

यह अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सांबा अनुज कुमार (आईपीएस) के निर्देशों तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और डीएसपी मुख्यालय सांबा की निगरानी में चलाया गया। कठिन परिस्थितियों और तेज बहाव के बावजूद पुलिस टीम ने साहस, सूझबूझ और समन्वय का परिचय देते हुए सभी पांचों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन ने सांबा पुलिस की तत्परता, कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय दृष्टिकोण को एक बार फिर उजागर किया है।

जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में बारिश और आंधी-तूफान की संभावना

श्रीनगर, 05 जुलाई । मौसम विभाग ने आज से मौसम में बड़े बदलाव का अनुमान लगाया है, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश, आंधी-तूफान, बिजली कड़कना और तेज हवाएं शामिल हैं। विभाग ने लोगों को अलर्ट रहने की सलाह दी है क्योंकि आने वाली बारिश से कमज़ोर इलाकों, खासकर पहाड़ी इलाकों और मुख्य हाईवे पर अचानक बाढ़, लैंडस्लाइड और पत्थर गिरने की संभावना है।

विभाग ने कहा कि कई जगहों पर रुक-रुक कर बारिश और आंधी-तूफान की संभावना है जिससे मौजूदा गर्मी और उमस से राहत मिलेगी।

सतीश शर्मा ने 24वें विशाल भंडारे का किया उद्घाटन, सेवा की भावना को संरक्षित रखने का किया आह्वान

"स्थानीय किसानों और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने वाले फार्मर्स मार्केट में भी हुए शामिल कारगिल शहीद उधयमान सिंह को शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

जम्मू, 05 जुलाई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवा एवं खेल तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सतीश शर्मा ने आज पंजाब मोगा के नागरिकों द्वारा आयोजित 24वें विशाल भंडारे का उद्घाटन किया। यह आयोजन गहरी धार्मिक आस्था और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ।

कठुआ जिले के सबसे बड़े वार्षिक भंडारों में शामिल इस आयोजन में जम्मू-कश्मीर तथा पड़ोसी रायों से हजारों श्रद्धालुओं और यात्रियों ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए सतीश शर्मा ने आयोजन समिति और स्वयंसेवकों के अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर भंडारे का सफल आयोजन किया और श्रद्धालुओं के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक हैं तथा करुणा, भाईचारा, सांप्रदायिक सौहार्द और निस्वार्थ सेवा जैसे मूल्यों को मजबूत करते हैं। मंत्री ने कहा कि सेवाकी परंपरा भारतीय समाज की सबसे मजबूत आधारशिलाओं में से एक है, जो लोगों को आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर मानवता के कल्याण के लिए मिलकर कार्य करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि भंडारे में उमड़ी भारी जनभागीदारी जम्मू-कश्मीर की एकता, सद्भाव और पारस्परिक सम्मान की उस भावना को दर्शाती है, जो सदैव इस क्षेत्र की पहचान रही है। सतीश शर्मा ने श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रसाद वितरण, निःशुल्क आवास, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा सहायता तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया और कहा कि आयोजन समिति ने प्रत्येक श्रद्धालु की सुविधा, सुरक्षा और आध्यात्मिक संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए सराहनीय कार्य किया है।

गगनयान मिशन -इसरो ने सॉल्व रॉकेट मोटर का पहला सफल परीक्षण किया

चेन्नई, 05 जुलाई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए सॉल्व (सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल फॉर एक्सपेरिमेंट्स) के ठोस ईंधन (सॉलिड मोटर) वाले रॉकेट का पहला सफल परीक्षण किया है। इस परीक्षण का उद्देश्य गगनयान के क्रू मॉड्यूल की सुरक्षित वापसी (की जांच करना है।इसरो ने बताया कि यह परीक्षण तीन जुलाई को सुबह 10 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के स्टैटिक टेस्ट फैसिलिटी में किया गया। परीक्षण के दौरान मोटर का प्रदर्शन निर्धारित मानकों के अनुरूप रहा। इसरो ने बताया कि सॉल्व एक विशेष परीक्षण रॉकेट है, जिसे गगनयान मिशन से पहले अलग-अलग परिस्थितियों में क्रू मॉड्यूल की सुरक्षा प्रणाली की जांच के लिए विकसित किया गया है।

इन परीक्षणों के दौरान क्रू मॉड्यूल को लगभग 10 से 17 किलोमीटर की ऊंचाई तक ले जाया जाएगा। इसके बाद इसे रॉकेट से अलग किया जाएगा और उसकी सुरक्षित लैंडिंग के लिए क्रमवार 10 पैराशूट खोले जाएंगे, जिससे उसकी गति कम होकर वह सुरक्षित रूप से समुद्र में उतरे

इसरो के अनुसार सॉल्व का ठोस ईंधन वाला चरण पीएसएलवी रॉकेट के स्ट्रैप-ऑन मोटर पर आधारित है, लेकिन गगनयान मिशन की आवश्यकताओं के अनुसार इसमें कई तकनीकी बदलाव किये गये हैं। इनमें धीमी गति से जलने वाले प्रणोदक और दिशा नियंत्रण प्रणाली में सुधार शामिल हैं। गगनयान मिशन के तहत दो से तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लगभग 400 किलोमीटर ऊंची पृथ्वी की कक्षा में तीन दिन के मिशन पर भेजा जाएगा और इसके बाद उन्हें सुरक्षित रूप से भारतीय समुद्री क्षेत्र में उतारा जायेगा। क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल इस मिशन के अंतरिक्ष यान में मुख्य रूप से दो हिस्से होंगे। क्रू मॉड्यूल वह हिस्सा है, जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे। इसरो ने कहा कि गगनयान परियोजना को देश की वैज्ञानिक क्षमता, भारतीय उद्योग, शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों की विशेषज्ञता तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध उन्नत तकनीकों के सहयोग से पूरा किया जा रहा है।

आत्मनिर्भर और रक्षा उत्पाद निर्माता के रूप में हो रही अब भारत का पहचान : ज्योतिरादित्य सिंधिया

भोपाल, 05 जुलाई । केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यह भारत का दौर है। आज हमारा भारत आंख झुकाकर नहीं, आंख मिलाकर बात करता है। भारत की पहचान अब एक प्रगतिकारक, आत्मनिर्भर और रक्षा उत्पाद निर्माता भारत के रूप में हो रही है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया रविवार को शिवपुरी जिले के पाली में लगभग 2,500 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ग्रुप के अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया, आत्मर्भिर भारत और डिफेंस कॉरिडोर जैसी दूरदर्शी नीतियों के परिणामस्वरूप भारत डिफेंस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश की सीमाओं को मजबूती देने के लिए मिशन सुदर्शन चक्र और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम तैयार किया जा रहा है। सिंधिया ने कहा कि शिवपुरी की धरती पर आज अदाणी डिफेंस यूनिट का भूमिपूजन हो गया है। अब यहां विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अदाणी ग्रुप के चेयरपर्सन गौतम अदाणी ने मध्य प्रदेश में विभिन्न सेक्टर्स में कुल 1.10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की थी। शिवपुरी में डिफेंस यूनिट की स्थापना श्री अदाणी की उसी घोषणा के परिपालन में धरातल में किया गया एक प्रयास है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश देश का वह अनूठा प्रदेश है, जहां आने वाले निवेशकों का सिर्फ दिल ही नहीं, उनका विश्वास भी जीता जा रहा है।

हर गन्ना किसान तक पहुंचेगा सामाजिक सुरक्षा का कवच, गन्ना समितियों से जुड़ेंगी जनकल्याणकारी योजनाएं

-योगी सरकार 6 से 11 जुलाई तक प्रदेश की सभी सहकारी गन्ना विकास समितियों में चलाएगी सामाजिक सुरक्षा जागरूकता एवं नामांकन महाअभियान

- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा और अटल पेंशन योजना सहित भारत सरकार की योजनाओं से जुड़ेंगे लाखों किसान परिवार

- बैंक, इफ्को, चीनी मिलों और महिला स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी से गांव-गांव तक पहुंचेगा अभियान

***लखनऊ, 5 जुलाई।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार गन्ना किसानों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा का मजबूत कवच देने की दिशा में बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। 6 से 11 जुलाई तक प्रदेश की सभी सहकारी गन्ना विकास समितियों में विशेष सामाजिक सुरक्षा जागरूकता एवं नामांकन महाअभियान चलाया जाएगा।

इसके माध्यम से लाखों गन्ना किसान परिवारों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), अटल पेंशन योजना (एपीवाई) सहित भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। अभियान का उद्देश्य किसानों की आर्थिक सुरक्षा, वित्तीय समावेशन और सामाजिक स्थिरता को मजबूत करना है।

योगी सरकार का मानना है कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का व्यापक विस्तार किसानों को दुर्घटना, आकस्मिक मृत्यु और वृद्धावस्था जैसी परिस्थितियों में आर्थिक संबल प्रदान करेगा। इससे किसान परिवारों की आय सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन मजबूत होगा। साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी स्थिरता मिलेगी। योगी सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक पात्र गन्ना किसान परिवार इन योजनाओं से जुड़ें और प्रत्येक किसान परिवार सुरक्षित, सशक्त तथा आत्मनिर्भर बने। यही अभियान विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को नई गति देने के साथ किसानों के समग्र कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रदेश की सहकारी गन्ना विकास समितियां इस अभियान की प्रमुख कड़ी होंगी। वर्षों से किसानों के साथ जुड़े विश्वास को सामाजिक सुरक्षा अभियान से जोड़ा जाएगा। समितियां योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेंगी, किसानों को जागरूक करेंगी, पात्र लाभार्थियों का नामांकन कराएंगी और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इससे गन्ना समितियां किसान सेवा के साथ सामाजिक सुरक्षा की प्रभावी संस्थागत व्यवस्था के रूप में भी स्थापित होंगी। अभियान के दौरान प्रत्येक सहकारी गन्ना विकास समिति परिसर में बैंकों, इफ्को, चीनी मिलों और अन्य सहयोगी संस्थाओं के संयुक्त सहयोग से विशेष सहायता एवं नामांकन काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को एक ही स्थान पर योजनाओं की जानकारी, पात्रता का सत्यापन, दस्तावेजों की जांच, बैंकिंग सहायता और तत्काल नामांकन की सुविधा मिलेगी।

कोर्स चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान

हर विद्यार्थी पढ़ाई के बाद अच्छी सैलरी, अच्छा पे-पैकेज चाहता है। मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उसे अपने सपने पूरे होते दिखाई देते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपकी मैथ्स, कॉमर्स और इकोनॉमिक्स जैसे विषयों में रुचि हो। इसके बाद ही कॉलेज सिलेक्ट करें, क्योंकि भारत में मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स की बाढ़-सी आई हुई है। इसलिए कहीं भी एडमिशन से पहले उसकी विश्वसनीयता परख लें कि वह एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) या यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन) से मान्यता प्राप्त है या नहीं। फैकल्टी के बारे में फर्स्ट हैंड इंफॉर्मेशन वहां के स्टूडेंट्स से हासिल करें। उनसे इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की जानकारी भी लें। आंख मूंदकर सिर्फ कॉलेज की वेबसाइट पर भरोसा न करें।

कैसे करें सिलेक्शन

आम तौर पर 12वीं में विद्यार्थी साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स, जो भी स्ट्रीम सिलेक्ट करते हैं, उससे उनके आगे का करियर तय होता है। इसी आधार पर वे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस, सीए, सीएस, एमबीए, होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग आदि कोर्सेज में दाखिले की तैयारी करते हैं। यहीं स्टूडेंट्स को यह बताना और समझाना जरूरी हो जाता है कि वे किस आधार पर अमुक कोर्स या कॉलेज का चयन करें।

पैशन को पहचानें

आपका पैशन क्या है? आप क्या पढ़ना चाहते हैं? किन विषयों में आपकी रुचि है? इन सब पर ध्यान देते हुए ही करियर का चुनाव करें। पैशन को पहचानने का सही समय 10वीं से 12वीं तक होता है। समय पर निर्णय लेंगे, स्ट्रैटेजी, प्लानिंग के साथ आगे बढ़ेंगे, तो ऑप्शंस की कमी नहीं रहेगी।

दूर करें कंफ्यूजन

कभी भी करियर का फैसला आखिरी समय में न लें। इससे गलतियां होने की आशंका बढ़ जाती है। अगर कंफ्यूजन है, तो अपने टीचर, पैरेंट्स या सीनियर्स से मार्गदर्शन लें। चर्चा करने से समस्याओं का हल निकल आता है।

दोस्तों की नकल नहीं

हर विद्यार्थी की रुचि और क्षमता अलग होती है। किसी को मैथ्स अच्छा लगता है, किसी को पेंटिंग में मजा आता है, तो कोई डांसर बनना चाहता है। लेकिन जरूरी नहीं कि जो दूसरे कर रहे हों, आप भी वैसा ही करें। जबरन इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी में वक्त बर्बाद न करें।

बड़े काम की है फ्रीलांसिंग

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।

यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीठ पीछे आपकी बुराई करता है। कई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां बस आप हैं और आपका काम है।

सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझें, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।

ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बोलचाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहे जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिंदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया, उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं। बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है।

स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है।

शॉपिंग के साथ कमाई भी करें!

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में संतुलन बनाते हुए अगर खुद ही शादी की शॉपिंग करनी पड़े, तो मुश्किल हो जाती है। खासकर जब आप लेटेस्ट फैशन ट्रैंड से पूरी तरह वाकिफ न हों और मन में उलझन हो कि कहीं आप आउटडेटेड न लगें! ऐसे में पर्सनल शॉपर की सेवाएं बड़ी काम आती हैं। जी हां, विदेशों में अक्सर प्रोफेशनल्स, सेलिब्रिटीज आदि पर्सनल शॉपर्स को हायर करते हैं।

इधर वेडिंग प्लानर, ग्रूमिंग एक्सपर्ट के बाद अब भारत में पश्चिम का यह ट्रैंड भी लोकप्रिय हो रहा है। यानी जिनके पास समय की कमी है, वे पर्सनल शॉपर्स की सेवा ले सकते हैं। अब अगर आप भी सामान्य के बजाय कोई 'हटकर'' और क्रिएटिव जॉब करना चाहते हैं, जिसमें आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ मजा भी आए, तो पर्सनल शॉपर एक शानदार विकल्प हो सकता है।

क्लाइंट्स की पसंद अहम

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है। साथ ही, एक विश्वास कायम करना होता है कि वे उनकी सलाह को मानें और उनके कहे अनुसार कपड़े या एक्सेसरी खरीदें। उन्हें फैब्रिक, मटेरियल, कट्स और कलर्स की जानकारी भी रखनी होती है। तभी वे लोगों को सही सुझाव दे सकते हैं। जैसे दुल्हन की शॉपिंग के लिए एक निश्चित बजट निर्धारित होता है लेकिन मार्केट में बूटिक, कूटर स्टोर्स, डिजाइनर वेयर्स आदि इतने ऑप्शंस होते हैं कि उन्हें देखते हुए किसी का भी चकरा जाना स्वाभाविक है। ऐसे में एक पर्सनल शॉपर उन्हें सही खरीदारी के बारे में निर्णय लेने में मदद कर सकता है। ब्राइडल शॉपिंग में दुल्हन के अलावा मित्रों और रिश्तेदारों आदि के लिए भी उपहार आदि की शॉपिंग करनी होती है। इसलिए सबकी पसंद की जानकारी रखनी होती है।

क्वॉलिफिकेशन और स्किल्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी विशेष एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन की दरकार नहीं होती। हालांकि फैशन डिजाइनिंग, रिटेल मैनेजमेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग आदि में एमबीए करने से फायदा होता है। इसके अलावा, आप पर्सनल शॉपिंग में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं। एक पर्सनल शॉपर को काम के दौरान पहले क्लाइंट की पृष्ठभूमि के बारे में रिसर्च करनी होती है। वे कौन-सा ब्रांड पसंद करते हैं, उनका बजट कितना है आदि बातों पर गौर करना पड़ता है। इसके लिए वह क्लाइंट के साथ ईमेल, फोन द्वारा या फिर रूबरू संपर्क बनाए रखता है। हां, आपका अच्छा श्रोता होना जरूरी है। आपके पास क्रिएटिव और इनोवेटिव आइडियाज भी होने चाहिए। एक पर्सनल शॉपर को गोल ओरियेंटेड और सेल्फ मोटिवेटेड होना चाहिए। उसमें धैर्य, कम्युनिकेशन, सेल्स, एंटरप्रेन्योर और ऑर्गनाइजेशनल स्किल्स के साथ-साथ लचीलापन और आत्मविश्वास भी भरपूर होना चाहिए।

स्पेशलाइज्ड शॉपिंग

पर्सनल शॉपर्स गिफ्ट, क्लोदिंग, फूड, फर्नीचर, ज्वेलरी, खिलौने आदि किसी भी चीज की शॉपिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। ये बड़े बिजनेस घरानों के लिए डिजाइनर क्लोदिंग, होम फर्नीशिंग्स और दूसरे आइटम्स की शॉपिंग भी करते हैं। इन दिनों कई कंपनियां अपने क्लाइंट्स को गिफ्ट देने के लिए भी पर्सनल शॉपर्स की मदद लेने लगी हैं। वहीं कई वरिष्ठ नागरिक घरेलू सामान की खरीदी के लिए इनकी सहायता ले रहे हैं। इन सबके अलावा, पसर्नल शॉपर्स शादी समारोहों, बेबी शावर (गोद भराई), जन्मदिन पार्टी, वैलेंटाइन डे, त्योहारों आदि के लिए भी शॉपिंग करते हैं।

काम के अवसर

एक आम शख्स जब पर्सनल शॉपर को हायर करने के बारे में सोचता है, तो पहला ख्याल आता है कि उनकी सेवा सिर्फ एलिट क्लास ही ले सकती है। मगर आज भारत में जिस तरह रिटेल मार्केट बढ़ रहा है, लोगों की मानसिकता बदल रही है, क्रय क्षमता बढ़ रही है, ऐसे में बहुत-से वर्किंग प्रोफेशनल्स भी पर्सनल शॉपर्स को हायर करने लगे हैं। इसके अलावा, बड़े कॉर्पोरेट्स और ब्रांडिंग एजेंसीज अवॉर्ड शोज, कॉन्फ्रेंस आदि के लिए इनकी सेवाएं ले रही हैं। वैसे आप चाहें, तो किसी बूटिक, डिपार्टमेंटल स्टोर या शॉपिंग सेंटर में भी काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आम तौर पर पर्सनल शॉपर 25,000 रुपए से 1 लाख रुपए महीना कमा सकते हैं।

टेलिफोनिक इंटरव्यू देते समय अपनाएं ये तरीके

आजकल अक्सर कंपनियां नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है। आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्जवेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। चूंकि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उनसे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैं :

- अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें।
- कागज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां ढूंढना न पड़े।
- कंपनी के बारे में पहले से जानकारी एकत्र करके रखें। इंटरव्यू के दौरान यह जानकारी आपकी पहुंच के भीतर होना चाहिए।
- अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।
- अपने फोन में कॉल वेटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के दौरान व्यवधान न हो।
- अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।
- फोन पर इंटरव्यू देने की प्रेक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।
- माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे।
- पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।

इंटरव्यू के दौरान

- कुछ भी खाएं या चबाएं नहीं। धूम्रपान भी कतई न करें।
- बिस्तर पर बैठकर बात न करें। इससे आपकी आवाज में एक इनफॉर्मल अंदाज झलक ही जाएगा, जो ठीक नहीं है।
- अगर किसी सवाल का जवाब देने के लिए आपको कुछ सोचना पड़े, तो अटपटी खामोशी न पसरने दें। स्पष्ट रूप से कहें कि आपको इसका जवाब सोचने के लिए कुछ क्षण चाहिए।
- बहुत तेज या जोर से न बोलें।
- बोलते समय मुस्कराते रहें। इंटरव्यूअर भले ही आपको देख न पाए लेकिन मुस्कराहट का प्रभाव आपकी आवाज में दिखाई दे जाएगा।
- शुरूआत में ही इंटरव्यूअर का नाम पूछ लें और इंटरव्यू के दौरान बार-बार उन्हें सम्मानपूर्वक नाम लेकर संबोधित करें।
- इंटरव्यूअर की बात कतई न काटें।
- इंटरव्यू की समाप्ति पर इंटरव्यूअर को धन्यवाद दें और चयन प्रक्रिया के अगले चरण के बारे में पूछ लें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

नटरंग के संडे थिएटर में मंचित हुआ हिंदी नाटक 'रामकृष्ण परमहंस'

जम्मू, 05 जुलाई (हि.स.)। नटरंग के साप्ताहिक रंगमंचीय आयोजन 'संडे थिएटर' के तहत रविवार को नटरंग स्टूडियो थिएटर में प्रसिद्ध नाटककार सर्वेश्वर दयाल सक्सेना द्वारा लिखित हिंदी नाटक 'रामकृष्ण परमहंस' का सफल मंचन किया गया। नाटक का निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी नीरज कांत ने किया। इस अवसर पर नटरंग के निदेशक बलवंत ठाकुर ने कहा कि नटरंग का निरंतर प्रयास रहा है कि भारत के महान संतों, विचारकों और दार्शनिकों के जीवन तथा उनके विचारों को रंगमंच के माध्यम से दर्शकों तक पहुँचाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे नाट्य प्रस्तुतियों के जरिए भारतीय संस्कृति, दर्शन और आध्यात्मिक विरासत को नई पीढ़ी के सामने प्रभावशाली ढंग से रखा जा रहा है।

नाटक की शुरुआत मंदिर की घंटियों, भक्ति संगीत और मां काली की आराधना से हुई जिसने दर्शकों को आध्यात्मिक वातावरण में पहुँचा दिया। इसके बाद कामारपुकुर के बालक गदाधर के जीवन की यात्रा को मंच पर जीवंत किया गया जो आगे चलकर श्री रामकृष्ण परमहंस के रूप में विश्वविख्यात आध्यात्मिक संत बने।

प्रस्तुति में गदाधर के बचपन से ही ईश्वर के प्रति गहरे लगाव, आध्यात्मिक अनुभवों और दक्षिणेश्वर काली मंदिर में पुजारी बनने के बाद मां काली के दर्शन की उनकी तीव्र साधना को भावपूर्ण ढंग से दर्शाया गया। नाटक में यह भी दिखाया गया कि कैसे उन्होंने तंत्र, वेदांत, इस्लाम और ईसाई धर्म सहित विभिन्न आध्यात्मिक परंपराओं का अभ्यास कर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि सभी धर्म एक ही परम सत्य की ओर ले जाते हैं। धार्मिक समन्वय और मानव एकता का यही संदेश नाटक का प्रमुख आधार रहा।

नाटक में युवा नरेंद्रनाथ दत्त जो आगे चलकर स्वामी विवेकानंद बने और श्री रामकृष्ण परमहंस के बीच हुए आध्यात्मिक संवादों को भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। अंतिम दृश्यों में असाध्य बीमारी से जूझते हुए भी रामकृष्ण परमहंस द्वारा अपने शिष्यों को मानव सेवा, प्रेम, करुणा और विश्व बंधुत्व का संदेश देने का मार्मिक चित्रण दर्शकों को भावुक कर गया। नाटक में कुशल भट्ट, कननप्रीत कौर, आकाश वाधवान, निक्षय महाजन और आर्यन शर्मा ने अपने सशक्त अभिनय से पात्रों को जीवंत बनाया। प्रकाश व्यवस्था का दायित्व नीरज कांत ने संभाला जबकि संगीत संयोजन मेहक चिब ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन महिक्षित सिंह ने किया।

इंटर-एनआईटी फैकल्टी एवं स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट- मेजबान एनआईटी श्रीनगर ने 220 रन से दर्ज की शानदार जीत

जम्मू, 05 जुलाई (हि.स.)। इंटर-एनआईटी फैकल्टी एवं स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट (पुरुष) 2026 में मेजबान एनआईटी श्रीनगर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को एनआईटी अगरतला को 220 रन के विशाल अंतर से पराजित कर लगातार एक और प्रभावशाली जीत दर्ज की। वहीं एनआईटी जालंधर, एनआईटी हमीरपुर, एनआईटी पुडुचेरी, एनआईटी सिलचर, एनआईटी कुरुक्षेत्र, एनआईटी राउरकेला और एनआईटी कालीकट ने भी अपने-अपने लीग मुकाबलों में जीत हासिल की।

एनआईटी श्रीनगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 279 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के स्टार बल्लेबाज आकिब शेख ने टूर्नामेंट का लगातार दूसरा शतक जड़ते हुए 57 गेंदों में 154 रन की विस्फोटक पारी खेली जिसमें 18 चौके और नौ छक्के शामिल रहे। कप्तान फैसल इरशाद ने 46 गेंदों में 75 रन बनाए जबकि विकेटकीपर सोहेल बाबा ने 12 गेंदों में नाबाद 30 रन की तेजतर्रार पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी एनआईटी अगरतला की टीम शुरुआत से ही दबाव में रही और 17.3 ओवर में मात्र 59 रन पर सिमट गई। एनआईटी श्रीनगर की ओर से डॉ. मोहसिन ने 8 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि डॉ. शकील वसीम और शाहिद हमीद ने दो-दो विकेट हासिल किए। डॉ. माजिद हुसैन और मुदासिर कादिर ने एक-एक विकेट लेकर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। अन्य मुकाबलों में एनआईटी जालंधर ने एनआईटी गोवा को 195 रन से हराया। रविंदर ने 44 गेंदों में 85 और सौरभ दिनकर ने 33 गेंदों में 68 रन बनाए। इसके बाद सत्येंद्र सिंह और सौरव गुप्ता ने तीन-तीन विकेट लेकर गोवा को 74 रन पर समेट दिया। एनआईटी हमीरपुर ने एसवीएनआईटी सूरत को 171 रन से हराया। विवेक तिवारी (48), अमन कुमार (45) और सुरेंद्र सोनी (40) की पारियों की बदौलत हमीरपुर ने 225 रन बनाए जबकि सूरत की टीम 54 रन पर ढेर हो गई।

एनआईटी पुडुचेरी ने एनआईटी रायपुर को सात विकेट से पराजित किया। सुधाकर वी ने चार विकेट झटके, जबकि गोपीनाथ ए (41) और मुथु फेंड (31) ने लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। एनआईटी सिलचर ने एनआईटी नागालैंड को 28 रन से हराया। वसीम आरिफ ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए 26 रन बनाने के साथ दो विकेट भी लिए। एनआईटी कुरुक्षेत्र ने रोमांचक मुकाबले में एनआईटी उत्तराखंड को 15 रन से शिकस्त दी जबकि एनआईटी राउरकेला ने एनआईटी जमशेदपुर को 26 रन से हराया। वहीं एनआईटी कालीकट ने कश्मीर विश्वविद्यालय मैदान-2 में खेले गए मुकाबले में एमएनआईटी जयपुर को 39 रन से पराजित किया। पांच दिवसीय इस चैंपियनशिप में देशभर के 24 एनआईटी संस्थानों की टीमें भाग ले रही हैं।

गुरु हरगोबिंद साहिब जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया

कठुआ, 05 जुलाई (हि.स.)। सिखों के छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी का प्रकाश पर्व कठुआ में धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर गुरुद्वारा सिंह सभा मेन बाजार में विशेष गुरबानी कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान संगत ने गुरु साहिब जी की शिक्षाओं मानवता, सत्य, निःस्वार्थ सेवा और साहसपूर्ण आधारित प्रवचनों को श्रद्धा से सुना। वातावरण गुरबानी की मधुर धुनों से भक्तिमय बना रहा जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

समारोह का समापन अरदास के साथ हुआ जिसके पश्चात गुरु का लंगर वितरित किया गया। लंगर में सभी श्रद्धालुओं ने समान रूप से भाग लेकर सेवा और समर्पण की भावना को साकार किया।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रस्तावित दौरे को लेकर सांसद गुलाम अली खटाना ने की तैयारी बैठक

जम्मू, 05 जुलाई (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा के मनोनीत सांसद इंजीनियर गुलाम अली खटाना के आवासीय कार्यालय में रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रस्तावित जम्मू दौरे की तैयारियों को लेकर एक व्यापक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न क्षेत्रों से आए पूर्व चेयरमैन, पूर्व सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में अखनूर, मढ़, नगरोटा, बम्याल, शीबा, आर.एस. पुरा, निक्की तवी, छठा, चावडी, बठिंडी, डोगियां, बत्रा, सिद्धड़ा, बजालता, गुज्जर नगर, कठुआ, सुनजवां, बर्मिन, विधाता नगर, बक्शी नगर, रिहाड़ी, बंतालाब, सतवारी, गांधी नगर, मलिक मार्केट, चन्नी, भलवाल सहित जम्मू के कई क्षेत्रों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रस्तावित दौरे का उत्साहपूर्वक स्वागत करने और इसे ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने सभी निर्धारित कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी का भरोसा दिलाते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर सांसद इंजीनियर गुलाम अली खटाना ने कहा कि पूर्ववर्ती नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस सरकारों ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को केंद्र सरकार की अनेक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं, संवैधानिक अधिकारों, वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) तथा अन्य प्रमुख योजनाओं के लाभ से वंचित रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकारें विकास और रोजगार उपलब्ध कराने के बजाय युवाओं को गुमराह करती रहीं जिससे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ी और हजारों परिवार अवसरों से वंचित रहे। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष के दौरान भी जनता को किए गए अनेक वादे पूरे नहीं हुए और प्रशासनिक स्तर पर कई कमियां देखने को मिलीं। उन्होंने दावा किया कि आज भी अनेक लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं जबकि पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पात्र वर्गों को उनके अधिकारों और लाभों से वंचित रखा जा रहा है।

युवतियों को सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए किया प्रेरित

जम्मू, 05 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने रियासी जिले के कटड़ा स्थित डीडी मोड़ के पंचायत घर में एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा महिलाओं को सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना तथा उन्हें रक्षा सेवाओं में उपलब्ध अवसरों के प्रति जागरूक करना था। व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को भारतीय सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए आवश्यक अनुशासन, शारीरिक फिटनेस, शिक्षा, नेतृत्व क्षमता और समर्पण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। सेना के अधिकारियों ने युवतियों को बताया कि आज महिलाएं रक्षा सेवाओं में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रही हैं और

राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्र निर्माण तथा महिला सशक्तिकरण में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान युवतियों को बड़े सपने देखने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और राष्ट्रसेवा को अपना लक्ष्य बनाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि समर्पण और कड़ी मेहनत के बल पर युवा महिलाएं सशस्त्र बलों में उत्कृष्ट करियर बना सकती हैं। भारतीय सेना ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम युवाओं में देशभक्ति की भावना को मजबूत करने, महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने तथा समाज में समावेशी विकास की सोच को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डोडा के उपायुक्त ने वार्षिक कैलाश यात्रा 2026 की तैयारियों की समीक्षा की

डोडा, 05 जुलाई (हि.स.)। डोडा के उपायुक्त कृष्ण लाल ने आगामी वार्षिक कैलाश यात्रा 2026 की तैयारियों का आकलन करने और वार्षिक तीर्थयात्रा के सुरक्षित, सुचारू और सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए डाक बंगले भद्रवाह में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में वार्षिक कैलाश यात्रा की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की गई जिसमें सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, परिवहन, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली आपूर्ति, संचार सुविधाएं, सड़क मरम्मत, तंबू, अस्थायी आश्रय, शौचालय, जलाऊ लकड़ी और यात्रा मार्ग पर अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे की उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा हुई।

उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को यात्रा शुरू होने से काफी पहले आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे ऑक्सीजन सहायता से लैस दो समर्पित चिकित्सा दल और केल्लर की ओर से एक मोबाइल चिकित्सा इकाई तैनात करें ताकि तीर्थयात्रियों को पूरी तीर्थयात्रा के दौरान त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कैलाश कुंड और हयान सहित प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की योजना बनाई गई। बैठक में यात्रा मार्ग के दुरस्थ और उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रात्रिकालीन दृश्यता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए रणनीतिक बिंदुओं पर सौर बत्तियां लगाने की भी सिफारिश की गई।

समन्वय प्रयासों के महत्व पर जोर देते हुए डीसी डोडा ने सभी संबंधित विभागों से तीर्थयात्रियों को निर्बाध सुविधाएं प्रदान करने के लिए घनिष्ठ समन्वय से काम करने का आह्वान किया।

कश्मीर की ईओडब्ल्यू ने 60 लाख के बैंक लोन धोखाधड़ी मामले में चार्जशीट दाखिल की

श्रीनगर, 5 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) ने श्रीनगर के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत में 60 लाख के बैंक लोन धोखाधड़ी मामले में चार्जशीट दाखिल की है। यह जाली रेवेन्यू रिकॉर्ड और प्रॉपर्टी के नकली कागजात का इस्तेमाल करके 60 लाख का लोन लेने का मामला है। क्राइम ब्रांच के अनुसार जांच जम्मू-कश्मीर बैंक की शिकायत के बाद शुरू की गई थी। बैंक का आरोप था कि 2007 में जाली रेवेन्यू रिकॉर्ड और नकली टाइटल डॉक्यूमेंट्स के आधार पर अचल संपत्ति गिरवी रखकर बैंक की ज़ैनकोट ब्रांच से 30 लाख का टर्म लोन और रेजिडेंसी रोड ब्रांच से 30 लाख की कैश क्रेडिट सुविधा धोखाधड़ी से हासिल की गई थी। जांच में पता चला कि लोन लेने के बाद उधार लेने वालों ने उसे नहीं चुकाया। बाद में रेवेन्यू डिपार्टमेंट की जांच से पुष्टि हुई कि बैंक में जमा किए गए मॉर्गेज डीड (गिरवी रखने के दस्तावेज), रेवेन्यू एक्सट्रैक्ट और मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेज जाली और नकली थे। जांच में यह भी पता चला कि शेख समीउल्लाह की अगुवाई में आरोपियों ने जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके बैंक को धोखा देने की आपराधिक साजिश रची। इस तरह उन्होंने बेईमानी से लोन हासिल किया और मंजूर की गई रकम का गलत इस्तेमाल किया जिससे बैंकिंग संस्थान को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। जांच पूरी होने के बाद इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए सक्षम अदालत में चार्जशीट दाखिल की। इस बीच क्राइम ब्रांच ने लोगों से आर्थिक और वित्तीय धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने और ऐसे अपराधों की तुरंत सूचना सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस, इकोनॉमिक ऑफेंस विंग, कश्मीर को देने की अपील की है। वित्तीय धोखाधड़ी के पीड़ित उचित कानूनी कार्रवाई के लिए ईओडब्ल्यू के आधिकारिक ई-मेल पते पर भी अपनी शिकायतें भेज सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित दौरे की तैयारियां तेज

बांदा, 05 जुलाई (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित जनपद दौरे को लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा पूरी तरह अलर्ट मोड में है। कार्यक्रम को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) प्रयागराज जोन ज्योति नारायण ने पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र राजेश एस., पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल तथा अन्य अधिकारियों के साथ पुलिस लाइन और प्रस्तावित कार्यक्रम पंडित जवाहर लाल नेहरू पीजी कालेज स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एडीजी ने पुलिस लाइन में सुरक्षा व्यवस्था, ड्यूटी प्लान, पुलिस बल की उपलब्धता, वाहन प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर सुरक्षा घेरा, प्रवेश एवं निकास मार्ग, वीवीआईपी मूवमेंट, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं समेत विभिन्न व्यवस्थाओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया।

एडीजी ज्योति नारायण ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और सतर्कता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, पार्किंग स्थलों का सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के लिए समुचित कार्ययोजना के अनुरूप आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं और कार्यक्रम स्थल के प्रत्येक बिंदु पर प्रभावी निगरानी रखी जाए। अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम में कांग्रेस ने शिक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

जम्मू, 05 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) ने देश में शिक्षा के बढ़ते व्यावसायीकरण तथा नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। जम्मू में जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) और जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) की ओर से आयोजित %छात्रों की गूंज% कार्यक्रम में जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि पार्टी आने वाले दिनों में जम्मू-कश्मीर के सभी 20 जिलों तथा जम्मू जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में कैंडल मार्च निकालकर कथित रूप से आत्महत्या करने वाले नीट अभ्यर्थियों को श्रद्धांजलि देगी और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग उठाएगी।

कर्रा ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था और प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं से लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है और अभ्यर्थियों व उनके परिवारों पर मानसिक एवं आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बार-बार परीक्षाएं रद्द होने और पुनः आयोजित किए जाने से विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कांग्रेस इस मुद्दे पर छात्रों और युवाओं की आवाज उठाने के लिए देशभर में अभियान चला रही है।

कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छात्रों के अधिकारों और उनके भविष्य की सुरक्षा के लिए उनके साथ खड़ी है। इस अवसर पर कई नीट अभ्यर्थियों और विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए सुझाव दिए। कार्यक्रम में छात्रों और अभिभावकों ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की।

बनतालाब में संत निरंकारी मिशन ने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया

जम्मू, 05 जुलाई (हि.स.)। संत निरंकारी सत्संग भवन, गुरहा ब्राह्मणा, बनतालाब, जम्मू में सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 卐रक्त नाड़ियों में बहे, नालियों में नहीं卐 संदेश के साथ आयोजित इस शिविर का उद्घाटन विधायक शाम लाल शर्मा ने किया।

उन्होंने संत निरंकारी मिशन की मानव सेवा और समाज कल्याण के कार्यों की सराहना करते हुए इसे सेवा और करुणा का प्रेरणादायक उदाहरण बताया। मिशन के जोनल इंचार्ज अजीत सिंह ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। शिविर का आयोजन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, जम्मू के रक्ताधान एवं रक्त संक्रमण विभाग तथा जम्मू-कश्मीर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के सहयोग से किया गया।

अमरनाथ यात्रा के लिए 9 जुलाई तक के सभी टोकन वितरित

जम्मू, 05 जुलाई (हि.स.)। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू में ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण (तत्काल रजिस्ट्रेशन) को लेकर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है। डिवकाम जम्मू रमेश कुमार ने बताया कि 9 जुलाई तक के लिए सभी टोकन पहले ही वितरित किए जा चुके हैं। ऐसे में जिन श्रद्धालुओं ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, उनसे अनुरोध किया गया है कि वे तत्काल पंजीकरण के लिए 9 जुलाई के बाद ही जम्मू पहुंचें, ताकि अनावश्यक भीड़ और असुविधा से बचा जा सके।

श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया संत गुरु कबीर दास जी का 628वां प्रकाश उत्सव

जम्मू, 05 जुलाई (हि.स.)। जम्मू के जानीपुर स्थित कबीर मंदिर में संत गुरु कबीर दास जी का 628वां प्रकाश उत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री एवं ऑल जम्मू-कश्मीर सतगुरु कबीर सभा के चेयरमैन मुला राम ने समारोह में मुख्य रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में जम्मू के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने संत कबीर दास जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रकाश उत्सव के दौरान भजन-कीर्तन, सत्संग, कबीर वाणी का पाठ तथा विशेष प्रार्थनाओं का आयोजन किया गया जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुला राम ने कहा कि संत कबीर दास जी की शिक्षाएं आज भी सत्य, समानता, करुणा और सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश देकर मानवता को प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने

अपना संपूर्ण जीवन सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने तथा जाति, धर्म और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर मानवता और सार्वभौमिक भाईचारे का संदेश देने में समर्पित किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब समाज को शांति, सहिष्णुता और आपसी सम्मान की सबसे अधिक आवश्यकता है तब संत कबीर का दर्शन और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। उन्होंने युवाओं से संत कबीर की शिक्षाओं का अध्ययन कर उन्हें अपने जीवन में अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इन्हीं मूल्यों के आधार पर एक मजबूत, एकजुट और प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण संभव है। साथ ही उन्होंने लोगों से ईमानदारी, सादगी और निस्वार्थ सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की।

मुला राम ने ऑल जम्मू-कश्मीर सतगुरु कबीर सभा द्वारा संत कबीर की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज में जागरूकता और आपसी सौहार्द को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संपादकीय

इस मानसून सतर्कता ही सबसे बड़ी सुरक्षा

वर्ष 2025 के मानसून से हुई तबाही की यादें आज भी जम्मू-कश्मीर के लोगों के मन में ताजा हैं। बीते वर्ष बादल फटने, भूस्खलन, अचानक आई बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं ने कई लोगों की जान ले ली थी, जबकि करोड़ों रुपये की निजी संपत्ति और सार्वजनिक आधारभूत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा था। दुर्भाग्य से अनेक परिवार आज भी उस त्रासदी से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं।

अब जबकि मानसून एक बार फिर दस्तक दे चुका है और जम्मू संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से बादल फटने तथा अचानक बाढ़ आने की घटनाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में सभी संबंधित पक्षों के लिए पहले से अधिक सतर्क रहना आवश्यक हो गया है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रतिकूल मौसम और उससे उत्पन्न परिस्थितियों में जन-धन की सुरक्षा हर हाल में बनी रहे।

इसके लिए जरूरी है कि लोग हर समय सतर्क रहें, मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करें तथा खराब मौसम के दौरान नदी-नालों, जलाशयों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर जाने से बचें। जम्मू-कश्मीर का भौगोलिक स्वरूप अत्यंत विविधतापूर्ण है। यहां ऊंचे पर्वत, घाटियां, दुर्गम क्षेत्र और दूरदराज के गांव हैं, जहां हर स्थान पर तत्काल सरकारी सहायता पहुंचाना हमेशा संभव नहीं होता। इसलिए लोगों के लिए आवश्यक है कि वे सरकारी एजेंसियों द्वारा जारी मौसम संबंधी परामर्शों और चेतावनियों पर लगातार नजर रखें तथा पूरी सावधानी बरतें, ताकि जान-माल के नुकसान को कम किया जा सके।

इसी दिशा में किश्तवाड़ जिला प्रशासन ने 5 जुलाई तक जिले में भारी वर्षा, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की आशंका को देखते हुए चेतावनी जारी की है। लोगों से अपील की गई है कि वे जल स्रोतों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों के आसपास जाने से बचें और पूरी सतर्कता बरतें।

इसी प्रकार, पुंछ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने भी जिले में भारी से अत्यधिक वर्षा, अचानक बाढ़, भूस्खलन तथा अन्य संभावित आपात स्थितियों की आशंका के मद्देनजर सभी स्वास्थ्य संस्थानों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं।

जिला प्रशासनों की यह सक्रिय और दूरदर्शी पहल सराहनीय है, क्योंकि समय रहते लोगों तक सही जानकारी पहुंचाना अनेक जानें बचाने और संपत्ति की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

जम्मू-कश्मीर के अन्य सभी जिला प्रशासनों को भी पुंछ और किश्तवाड़ प्रशासन से प्रेरणा लेते हुए इसी प्रकार समय पर मौसम संबंधी परामर्श और चेतावनियां जारी करनी चाहिए, क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में मानसून और अधिक सक्रिय होने की संभावना है।

सामूहिक प्रयास, जन-जागरूकता और समय पर बरती गई सावधानी से जन-धन की हानि को काफी हद तक रोका जा सकता है। इसलिए इस मानसून के दौरान प्रत्येक कदम सुरक्षा, सतर्कता और पूर्व तैयारी को ध्यान में रखकर उठाया जाना चाहिए। यही जिम्मेदार नागरिकता और प्रभावी आपदा प्रबंधन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है।

भारत की एकता और प्रगति के लिए समर्पित एक जीवन

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके लिए उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय की सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था, ''शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। हमें विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा ताकि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। हमारी स्वशासी संस्थाओं जैसे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन्स, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हो सकें। इसके साथ ही वे वित्त, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा दिखा सकें।''

आज, 6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं।

श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी। लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35(ए) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी।

डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके लिए उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय की सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था, ''शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। हमें विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा ताकि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। हमारी स्वशासी संस्थाओं जैसे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन्स, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हो सकें। इसके साथ ही वे वित्त, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा दिखा सकें।''

कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान मेंरिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। उन्होंने खेलकूद, टीचर्स ट्रेनिंग और स्टूडेंट वेलफेयर जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व की भावना विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था।

उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे।शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव चिह्न %दीपक% यानि मिट्टी का दीया रखा गया। एक अकेला दीया देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन उसमें अपने आस-पास के गहरे से गहरे अंधकार को मिटाने की अद्भुत शक्ति होती है। जनसंघ ने अपने सक्रिय काल में और उसके बाद भी बिल्कुल यही किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीका भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाता है, जिनका विजन बहुत विराट था। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे। यहां मैं अपना एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हूं। आत्मनिर्भर भारत के स्पष्ट विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक सत्ता में रहने वाले लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे इस बात का संतोष है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष और अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया। भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है। डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है। उन्होंने पूरी निष्ठा और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया। लेकिन जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रश्नों पर देशहित में अलग मार्ग अपनाना आवश्यक है, तो उन्होंने पूरी गरिमा के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन उस राजनीतिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए समर्पित कर दिया, जिसे वे राष्ट्र के लिए आवश्यक मानते थे। 75 वर्ष पहले पंडित नेहरू पहला संविधान संशोधन लेकर आए। इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा प्रहार माना गया। तब डॉ. मुखर्जी इसके सबसे मुखर आलोचक रहे थे। वे भली-भांति समझ चुके थे कि कांग्रेस किस हद तक जा सकती है। समय के साथ उनकी यह आशंका सही साबित हुई। जो पार्टी 75 वर्ष पहले पहला संविधान संशोधन लेकर आई थी, उसी ने 1975 में देश पर आपातकाल थोपा। इतना ही नहीं, 50 वर्ष पहले 42वां संविधान संशोधन अधिनियम लाकर एक बार फिर लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद पर कुठाराघात किया। डॉ. मुखर्जी अपनी मानवीय संवेदनाओं और सेवाभाव के लिए भी विशेष रूप से जाने जाते हैं। वर्ष 1943 में जब बंगाल भीषण अकाल की त्रासदी से जूझ रहा था, तब उन्होंने पीड़ितों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि लोगों को भोजन मिल सके, जिसके लिए कई कैंटीन और रिलीफ सेंटरशुरू किए गए। एक ओर वे लोगों की पीड़ा से बहुत व्यथित थे, वहीं दूसरी ओर ब्रिटिश हुकूमत की असंवेदनशीलता से अत्यंत आक्रोशित भी थे। उन्होंने अपनी पीड़ा को व्यक्त करने के लिए पंचाशेर मन्वंतर नाम की एक किताब भी लिखी। 1942 में जब मेदिनीपुर में भीषण चक्रवात आया, तब उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों का नेतृत्व किया।

कोलकाता के एक कॉलेज में युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मुखर्जी ने उनसे आग्रह किया था, ''आप जो भी कार्य करें, उसे पूरी गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें। किसी भी काम को कभी अधूरा न छोड़ें। तब तक स्वयं को संतुष्ट न मानें, जब तक आपने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान न दे दिया हो।'' आज हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।ऐसे में उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम प्रतिदिन उसभारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करें, जिसकी उन्होंने परिकल्पना की थी। एक ऐसा भारत जो सशक्त हो, एकजुट हो, आत्मविश्वास से भरपूर और संवेदनशील हो। देश के युवाओं पर मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे और इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएंगे।

स्मृति शेष : पद्म विभूषण तीजन बाई

संजीव

चोला माटी के हे राम,
एकर का भरोसा,
द्रोणा जइसे गुरू चले गे,
करन जइसे दानी,
बाली जइसे बीर चले गे,
रावन कस अभिमानी,
चोला माटी के हे राम!

छत्तीसगढ़ी लोक गीत-नाट्य कला पंडवानी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित करने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई की आखिरी यात्रा के पार्श्व में इस छत्तीसगढ़ी गीत का गान किया गया। रविवार तड़के 69 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। पिछले कुछ समय से बीमार तीजन बाई रायपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती थीं। आज सुबह 11 बजे उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव गनियारी लाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

छत्तीसगढ़ के अटारी गांव में 08 अगस्त, 1956 को जन्मीं तीजन बाई ने बालपन में ही पंडवानी गायन शुरू कर दिया था। कहते हैं कि जिस दिन उनका जन्म हुआ उस दिन लोकपर्व तीज था इसलिए माता-पिता ने उनका नाम तीजन रखा। आगे चलकर महाभारत की कथाओं को प्रभावी और अनूठे अंदाज में प्रस्तुत कर मंच पर कला का ऐसा सम्मोहक संसार रचा, जिसे देखने और उसका अनुभव करने के लिए दर्शक खिंचे चले आते थे। उनकी प्रस्तुति में ख़ास किस्म की आवाज के साथ भाव-भंगिमा और तंबूरा का विशेष महत्व था। मंच पर ज्यों ही उनका प्रदर्शन आरंभ होता, उनका तंबूरा कभी दु:शासन की बांह, कभी अर्जुन का रथ, कभी भीम की गदा तो कभी द्रौपदी के बाल में बदल कर दर्शकों को इतिहास के उस काल में पहुंचा देता जहां वे जोश, क्रोध, दर्द, उत्साह, उमंग और छलकपट की ऐतिहासिक संवेदना महसूस करते। उनके प्रशंसित प्रदर्शनों में द्रौपदी चीरहरण, दुशासन वध और भीष्म और अर्जुन के बीच महाभारत का युद्ध शामिल हैं।

उन्होंने 13 वर्ष की उम्र में अपना पहला मंच प्रदर्शन किया। उस समय महिला पंडवानी गायिकाएं केवल बैठकर गा सकती थीं, जिसे वेदमती शैली कहा जाता है। जबकि पुरुष गायक खड़े होकर कापालिक शैली में गाते थे। तीजनबाई पहली महिला थीं जिन्होंने कापालिक शैली में पंडवानी का प्रदर्शन किया। एक दिन प्रसिद्ध रंगकर्मी हबीब तनवीर ने उन्हें सुना और तीजनबाई का जीवन बदल गया।

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से लेकर अनेक राष्ट्राध्यक्षों और अति विशिष्ट लोगों के सामने उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कला के क्षेत्र में उनके अप्रतिम योगदान के लिए उन्हें 1987 में पद्मश्री, 2003 में पद्म भूषण और 2019 में देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से नवाजा गया। उन्हें 1995 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार तथा 2007 में नृत्य शिरोमणि से भी सम्मानित किया गया। इसके अलावा उन्हें जापान का प्रतिष्ठित फुकुओका कला पुरस्कार भी मिला था।

तीजनबाई को बिलासपुर विश्वविद्यालय द्वारा डीलिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। 1980 के दशक में शुरू होकर उन्होंने एक सांस्कृतिक राजदूत के रूप में दुनिया भर की यात्रा की, जिसमें इंग्लैंड, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, तुर्की, ट्यूनीशिया, माल्टा, साइप्रस, रोमानिया और मॉरीशस जैसे देश शामिल हैं।

खाद्य प्रसंस्करण मूल्यवर्धित कृषि की संभावनाओं का पता लगाने की कुंजी

श्री चिराग पासवान

दक्षिण एशिया खाद्य प्रणालियों की अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। समृद्ध कृषि-जैव विविधता वाला एक प्रमुख क्षेत्र होने के बावजूद, खेत से उपभोक्ता तक पहुँचने की प्रक्रिया में अभी तक बहुत अधिक मूल्य नष्ट हो जाता है—जो किसानों, रोजगार और पोषण के लिए एक चूका हुआ अवसर है। भारत इस विरोधाभास का स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, भारत दूध और दालों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक तथा फल और सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके बावजूद, कटाई के बाद की प्रक्रियाओं,भंडारण, लॉजिस्टिक्स और प्रसंस्करण में मौजूद कमियों के कारण खाद्य पदार्थों की बड़ी मात्रा में हानि होती रहती है। इससे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी)सहित वैश्विक विकास प्राथमिकताओं की दिशा में होने वाली प्रगति प्रभावित होती है।यह केवल अक्षमता भर नहीं है, बल्कि चूका हुआ अवसर भी है। बर्बाद होने वालेखाद्य पदार्थों का प्रत्येकक टन, किसानों की खोई हुई आमदनी, युवाओं के लिए खोए हुए रोजगार के अवसर और परिवारों के लिए खोए हुए पोषण का प्रतीक है। इसलिए, इस हानि को मूल्य में बदलना अब एक क्षेत्रीय प्राथमिकता बन जाना चाहिए। खाद्य प्रसंस्करण मूल्यवर्धित कृषि की संभावनाओं का पता लगाने की कुंजी है। यह खेतों को बाजारों से, किसानों को उद्योगों से तथा स्थानीय उत्पादन को क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ता है। इस प्रकार, यह कृषि और व्यापक आर्थिक परिवर्तन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है।

दशकों से कृषि नीतियों का मुख्य उद्देश्य उत्प दन बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा है। इस प्रयास ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में लाभ दिलाएं हैं। लेकिन अब अगले चरण मेंमूल्य सृजन, रोजगार के अवसरों के सृजन, किसानों की आय में वृद्धिऔर पोषण संबंधी परिणाम बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत में,वर्तमान में कृषि उपज का केवल लगभग17 प्रतिशतहिस्सा ही प्रसंस्कृत किया जाता है। क्षेत्र की पूर्ण आर्थिक क्षमता का लाभ उठाने के लिए इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर2030 तक लगभग 25 प्रतिशतकरना आवश्यक है। साथ ही, कटाई के बाद होने वाली खाद्य हानियों को कम करना और प्रसंस्करण से जुड़े तंत्रों को मजबूत बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा, ताकि अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक मूल्य बनारहे। खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों कीभंडारण अवधि बढ़ाता है, खाद्य सुरक्षा में सुधार करता है तथा नए और घरेलू निर्यात बाजारों तक पहुँच के अवसर प्रदान करता है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह आर्थिक मूल्य के बड़े हिस्से को उत्पादक देशों के भीतर ही बनाए रखने में मदद करता है, जिससे किसानों, उद्यमों और ग्रामीण समुदायों को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है।

इस परिवर्तन को सफलतापूर्वक साकार करने के लिए मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक चरण — उत्पादन और संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और बाज़ार तक पहुँच सुनिश्चित करने में समन्वित निवेश की आवश्यकता होगी। गुणवत्ता, सुरक्षा, ट्रेसबिलिटी तथा लागत-प्रभावशीलता के प्रति उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अधिक एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य होगा।

दक्षिण एशिया की समृद्ध कृषि-जैव विविधता उच्च मूल्य वाले उत्पादों के विकास की अपार संभावनाएँ प्रदान करती है, विशेषकर ऐसे समय में जब वैश्विक मांग अधिक विविधतापूर्ण, पौष्टिक और विशिष्ट खाद्य उत्पादों की ओर बढ़ रही है। साथ ही, डिजिटल समाधान ट्रेसबिलिटी को मजबूत करने, गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने और लगातार जटिल होते वैश्विक बाज़ारों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसमें सार्वजनिक निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन इसे निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। निवेश को बड़े पैमाने पर आकर्षित करने के लिए व्यावसायिक वातावरण को मजबूत बनाना, जोखिमों को कम करना तथा प्रभावीसार्वजनिक-निजी साझेदारीको बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक होगा।

भारत ने इस दिशा में पहले ही प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना तथा उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाजैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए ज़रूरी कदम उठाए हैं। ये कदम बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, कोल्ड चेन नेटवर्क का विस्तार करने और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमोंको समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जिससे अधिक गतिशील, प्रतिस्पर्धी क्षेत्र के लिए नींव रखी जा रही है।

खाद्य प्रसंस्करण केवल आर्थिक दक्षता के बारे में ही नहीं है—यह आजीविका से भी जुड़ा हुआ है। पूरे दक्षिण एशिया में लाखों युवा हर वर्ष श्रम बाज़ार में प्रवेश करते हैं, जबकि कृषि क्षेत्र अकेले अब इस बढ़ती हुई श्रम शक्ति को समाहित करने में सक्षम नहीं है। ऐसे में खाद्य प्रसंस्करण एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। उत्पादन केंद्रों के निकट उद्योगों की स्थापना करके यह लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, खाद्य प्रौद्योगिकी और संबंधित सेवाओं के क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत रोजगार सृजित करता है। साथ ही, यह उद्यमिता के नए अवसर भी प्रदान करता है, जिससे सूक्ष्म और लघु उद्यमों को बढ़ने, औपचारिक बनने और आधुनिक मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। यही इस क्षेत्र की वास्तविक संभावनाएँ निहित हैं—केवल खाद्य में मूल्य जोड़ने में नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर सार्थक रोजगार सृजित करने में,विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में तथा महिलाओं और युवाओं के लिए।

भारत के प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि हुई है, जो वैश्विक बाजारों में इसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। जिस प्रकार नए व्यापार समझौते बाज़ार के अवसर उत्प न्ना कर रहे हैं, ऐसे में अब ध्यान कच्चे कृषि उत्पादों के निर्यात से हटकर उच्च मूल्य वाले प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्यात की ओर केंद्रित होना चाहिए।

वैश्विक उपभोक्ता अब ऐसे खाद्य पदार्थों की अधिक मांग कर रहे हैं जो सुरक्षित, पौष्टिक, ट्रेस करने योग्य और सतत रूप से उत्पादित हों। इससे गुणवत्ता, मानकों और नवाचार का महत्व और बढ़ जाता है—ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है।

इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए तकनीक, गुणवत्ता अवसंरचना, ट्रेसबिलिटी प्रणालियों और ब्रांडिंग में और अधिक निवेश करना आवश्यक होगा। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण उत्पादकों और उद्यमों को मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने में सक्षम बनाएगा। खाद्य हानि को कम करना भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों पर दबाव घटाने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। साथ ही, अपशिष्ट मूल्यवर्धन-अर्थात कृषि उप-उत्पादों को नए उत्पादों में बदलने की दिशा में रहे नवाचार भी नए आर्थिक अवसरों को जन्मष दे रहे हैं और पर्यावरणीय प्रभाव को भी कम कर रहे हैं। सतत खाद्य प्रसंस्करण इकोसिस्ट म सभी आयामों में मूल्य प्रदान करता है- बेहतर पोषण परिणामों में सहायता करता है, पर्यावरणीय पदचिह्नों को घटाता हैऔर मूल्य श्रृंखला में आय तथा रोजगार के अवसर बढ़ाता है इस क्षण की विशेषता यह है कि यह केवल किसी एक देश के बारे में नहीं है—बल्कि पूरे क्षेत्र के साथ मिलकर आगे बढ़ने का अवसर है। दक्षिण एशियाई देश साझा चुनौतियों- खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं, सीमित प्रसंस्करण क्षमता और कटाई के बाद होने वाली उच्च स्तर की खाद्य हानि- का सामना कर रहे हैं,लेकिन ये साझा बाधाएँ साझा समाधानों के अवसर भी उत्पदन्न-करती हैं। साउथ एशियन पॉलिसी लीडरशिप फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन एंड ग्रोथ (एसएपीएलआईएनजी)जैसे क्षेत्रीय मंच इस परिवर्तन को गति देने में मदद कर रहे हैं—सहयोग, ज्ञान केआदान-प्रदान और निवेश का ऐसा स्थान तैयार कर रहे हैं, जिसे कोई भी देश अकेले हासिल नहीं कर सकता। अनलॉकिंगवैल्यूडायलॉगइसी प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष उदाहरण है- यह पूरे क्षेत्र के नीति-निर्माताओं, नवाचारकर्ताओं, उद्योग जगत के दिग्गहजों और विकास साझेदारों को एक साथ लाकर ऐसे संबंध स्थापित करता है, ज्ञान साझा करता है और साझेदारियाँ बनाता है, जो बेहतर रोजगार और अधिक मजबूत खाद्य प्रणालियों में परिवर्तित हो सकें। उत्पादन और नीतिगत नवाचार दोनों में अग्रणी होने के नातेभारतकोइस क्षेत्रीय परिवर्तन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। हम या तो आपूर्ति श्रृंखला के हर चरण में मूल्य की हानि जारी रख सकते हैं, या फिर ऐसी आधुनिक और एकीकृत मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण कर सकते हैं, जो हर स्तर पर मूल्य का सृजन करें और उसे बनाए रखें। हम कच्चे कृषि उत्पादों के निर्यातक बने रह सकते हैं, या फिर उच्च मूल्य वाले, टिकाऊ खाद्य उत्पादों में अग्रणी बन सकते हैं खेतों से लेकर उद्यमों तक, और स्थानीय बाज़ारों से वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक—खाद्य प्रणालियों का यह रूपांतरण इस क्षेत्र के आर्थिक भविष्य को परिभाषित करेगा। नीति, निवेश और साझेदारी के सही संयोजन के साथ, दक्षिण एशिया खाद्य हानि से खाद्य नेतृत्व की ओर बढ़ सकता है।

'कॉमनवेल्थ' और 'एशियन गेम्स' से पहले इंडियन एथलेटिक्स सीरीज का कैलेंडर बदला

एजेंसी

नई दिल्ली। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स और आइची-नागोया एशियन गेम्स से पहले घरेलू इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के कैलेंडर में बदलाव किया है, ताकि होनहार एथलीट्स को मुकाबले के अधिक मौके मिल सकें। बदले हुए शेड्यूल की घोषणा करते हुए, एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने बताया कि ये बदलाव उन एथलीट्स को ध्यान में रखकर किए गए हैं जो इन दो बड़े इंटरनेशनल इवेंट्स के लिए क्वालीफाई करने से बहुत कम अंतर से चूक गए थे। सागू ने कहा, 'इंडियन एथलेटिक्स सीरीज का शेड्यूल उन होनहार एथलीट्स को मद्देनजर रखकर बदला गया है, जो ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए थे। जिन मुकाबलों का शेड्यूल बदला गया है, उनके वेन्यू वही रहेंगे।' बदले हुए कैलेंडर के तहत, इंडियन एथलेटिक्स सीरीज का 13वां लेग 14 अगस्त से बदलकर 18 अगस्त कर दिया गया है। 14वें लेग को 9 दिन आगे बढ़ाकर 16 अगस्त से 25 अगस्त कर दिया गया है। 15वां लेग, 29 अगस्त के बजाय 2 सितंबर को होगा। सागू ने सीजन के आखिरी इवेंट में भी बदलाव की घोषणा की, जो अब पहले तय समय से दो दिन पहले होगा। एएफआई अध्यक्ष ने कहा, 'इंडियन एथलेटिक्स सीरीज का फाइनल 12 सितंबर के बजाय 10 सितंबर को होगा। जापान एशियन गेम्स में जाने वाले सभी एथलीट सीरीज के फाइनल लेग में हिस्सा लेंगे।'

विंबलडनः एलेक्स डी मिनौर ने जैकरी स्वाज्दा को हराया, चौथे राउंड में जगह बनाई

लंदन। विंबलडन 2026 में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर ने अमेरिकी खिलाड़ी जैकरी स्वाज्दा के खिलाफ 6-2, 5-7, 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की। इसी के साथ मिनौर लगातार तीसरे साल चौथे राउंड में पहुंच गए। दूसरा सेट गंवाने के बावजूद संयम बनाए रखते हुए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने 2 घंटे 41 मिनट में जीत हासिल की। इस दौरान डी मिनौर ने स्वाज्दा की सर्विस को आठ बार तोड़ा और अपने दूसरे-सर्व रिटर्न प्वाइंट का 70 प्रतिशत हिस्सा जीता। वह अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ ग्रैंड स्लैम प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहे हैं। वर्ल्ड नंबर 66 स्वाज्दा पहली बार विंबलडन के मुख्य ड्रॉ में खेल रहे थे। वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग से बस चार स्थान दूर थे और धीमी शुरुआत के बाद अच्छी वापसी करते हुए पूरे मैच में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को चुनौती दी। इस जीत के साथ एलेक्स डी मिनौर ने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में एक और शुरुआती बाहर होने से खुद को बचा लिया। इससे पहले वह इस साल रोला गैरो में जैकब मेंसिक से हारकर जल्दी बाहर हो गए थे। उस टूर्नामेंट में मेंसिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जहां उन्हें अंततः चैंपियन बने अलेक्जेंडर ज्वेरेव के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद डी मिनौर ने कहा, 'मुझे लगा कि यह एक उच्च-स्तरीय मैच था। इसका काफी श्रेय जैक को जाता है। वह बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उन्होंने मेरे लिए चीजें मुश्किल बना दी थीं।

एलिस मर्टेंसन ने पूर्व चैंपियन रायबाकिना को किया बाहर, मार्टा कोस्ट्युक पहली बार चौथे दौर में पहुंचीं

लंदन। विंबलडन 2026 के महिला एकल मुकाबलों में कई बड़े उलटफेर देखने को मिले। बेल्जियम की एलिस मर्टेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2022 की चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना को सीधे सेटों में 7-6(4), 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। वहीं यूक्रेन की मार्टा कोस्ट्युक ने अमेरिका की एमा नवारो को मात देकर पहली बार विंबलडन के चौथे दौर में जगह बनाई। मर्टेंस और रायबाकिना के बीच पहला सेट बेहद रोमांचक रहा। दोनों खिलाड़ियों के बीच लगातार कड़ा मुकाबला देखने को मिला। रायबाकिना ने दो बार वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। टाइब्रेक में मर्टेंस ने बेहतरीन आक्रामक खेल दिखाया और 7-4 से पहला सेट अपने नाम कर लिया। पहला सेट जीतने के बाद मर्टेंस का आत्मविश्वास और बढ़ गया। दूसरी ओर रायबाकिना की मजबूत मानी जाने वाली सर्विस लड़खड़ा गई। बेल्जियम की खिलाड़ी ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए लगातार पांच गेम जीते और दो बार सर्विस ब्रेक कर सिर्फ डेढ़ घंटे में मुकाबला समाप्त कर दिया। इस जीत के साथ मर्टेंस ने राउंड ऑफ 16 में प्रवेश कर लिया, जहां उनका सामना चेक गणराज्य की मैरी बौजकोवा से होगा। बौजकोवा ने तीन घंटे से अधिक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 4-6, 7-6(3), 6-4 से हराया।

'हम दबाव नहीं झेल पाए', विंबलडन में पहले राउंड की हार पर बोले युकी भांबरी

नई दिल्ली। भारत के डबल्स खिलाड़ी युकी भांबरी ने कहा है कि विंबलडन के पहले राउंड में मिली हार की वजह उनका और साथी खिलाड़ी माइकल वीनस का टूर्नामेंट का दबाव नहीं झेल पाना है। भांबरी और न्यूजीलैंड के वीनस को पहले राउंड में डच-अमेरिकन जोड़ी जीन-जूलियन रोजर और थियोडोर वाइनगर ने 3-6, 4-6 से हराया, जिसमें इंडो-कीवी जोड़ी को सर्व पर खुद को हावी करने में मुश्किल हुई, और वे किसी भी ब्रेक-पॉइंट के मौके को भुनाने में नाकाम रहे। हार के बाद जियो हॉटस्टार पर भांबरी ने कहा, 'हमारे खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक में खेलते हुए, मुझे लगता है कि यह मौका मुझे और मेरे साथी खिलाड़ी माइकल वीनस को मिल गया। हम दबाव नहीं झेल पाए। हमने बहुत, बहुत नर्वस मैच खेला, और इसकी कीमत हमें चुकानी पड़ी।

अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर हुगली में एडवांस प्रशिक्षण शिविर आयोजित

एजेंसी

हुगली। आगामी 30 जुलाई को कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता की तैयारियों के मद्देनजर हुगली शोतोकान शितो-र्यू कराटे-डो एसोसिएशन की ओर से एक एडवांस ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। लॉर्ड शिवा बैंक्वेट में आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में जिले और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कराटे खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

शिविर का संचालन अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रशिक्षक एवं 8वीं डैन ब्लैक बेल्ट हंशी प्रेमजीत सेन ने किया। उनके साथ 4वीं डैन ब्लैक बेल्ट शिहान राणा कर्मकार ने भी खिलाड़ियों को उन्नत तकनीकों, आत्मरक्षा, अनुशासन और प्रतियोगिता से जुड़ी बारीकियों का प्रशिक्षण दिया।इस अवसर पर हंशी प्रेमजीत सेन ने बताया कि 30 जुलाई को कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में होने वाली अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में दुनिया के विभिन्न देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

ऐसे में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के उद्देश्य से इस एडवांस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है।

उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों को कराटे सिखाने के लिए किसी भी संस्था में भेजने से पहले यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह संस्था मान्यता प्राप्त है या नहीं। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कराटे फेडरेशन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अधीन कार्य करता है, जबकि एशियन कराटे फेडरेशन ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया से संबद्ध है। इसी प्रकार कराटे एसोसिएशन ऑफ बंगाल बंगाल ओलंपिक एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त संस्था है। हंशी सेन ने कहा कि यदि खिलाड़ी मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से प्रशिक्षण लेते हैं और प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं, तो उन्हें राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि सही मंच और उचित मार्गदर्शन ही खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है।

प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों को तकनीकी दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अनुरूप मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। आयोजकों ने उम्मीद जताई कि इस तरह के प्रशिक्षण शिविर खिलाड़ियों के प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

साई सुदर्शन ने जड़े 168 रन, तीसरे दिन भारत के पास शानदार लीड

एजेंसी

गाले। श्रीलंका-ए के खिलाफ गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में जारी दूसरे अनाधिकारिक चार दिवसीय टेस्ट मैच में भारत-ए ने शानदार बढ़त हासिल कर ली है। तीसरे दिन की समाप्ति तक भारतीय टीम ने 8 विकेट गंवाकर 541 रन बना लिए हैं। मेहमान टीम के पास 175 रन की शानदार बढ़त है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने पहली पारी में 366 रन बनाए। पवनथा वीरासिंघे और सोहन डी लिवेरा ने बतौर ओपनर 53 रन की साझेदारी की। सोहन 28 रन बनाकर आउट हुए, जबकि वीरासिंघे ने 39 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इस टीम ने 86 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद एशेन बंडारा (34) ने नुवानिदु फर्नांडो (44) के साथ तीसरे विकेट के लिए 57 रन जोड़कर टीम को संभाला। कप्तान सहान अराच्चिगे ने अंजला बंडारा के साथ पांचवें विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। अराच्चिगे 15 बाउंड्री के साथ 127 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अंजला बंडारा ने 42 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारतीय खेमे से गुरनूर बराड़ और सारांश जैन ने 4-4 विकेट हासिल किए, जबकि यश ठाकुर ने 2 विकेट निकाले। इसके जवाब में साई सुदर्शन और अमन मोखाड़े की सलामी जोड़ी ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दिलाई।

दूसरे टी-20 में इंग्लैंड ने भारत को चार विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड ने दूसरे टी-20 मुकाबले में भारत को 4 विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 190 रन बनाए थे, जिसे इंग्लैंड ने 19 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत के लिए ईशान किशन ने 49, अभिषेक शर्मा ने 43 और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 37 रन बनाए। अंत में तिलक वर्मा ने 11 गेंदों पर नाबाद 24 रन की तेज पारी खेलकर टीम का स्कोर 190 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की ओर से जैकब बेथेल ने नाबाद 76 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने रवि बिश्नोई के 17वें ओवर में 29 रन बटोरकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। कप्तान हैरी ब्रूक और टॉम बैंटन ने 39-39 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल और हर्षित राणा को एक-एक सफलता मिली। मैच में 15 वर्ष 99 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने

वाले वैभव सूर्यवंशी भारत के सबसे कम उम्र के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए। उन्होंने अपनी पहली पारी में 10 गेंदों पर 14 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। फील्डिंग में भी उन्होंने बाउंड्री लाइन पर शानदार कैच लेकर सैम करन को पवेलियन भेजा, जो उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला कैच रहा। भारत के लिए एक और उपलब्धि अक्षर पटेल के नाम रही। उन्होंने हैरी ब्रूक का विकेट लेकर टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे किए। इसके साथ ही वह हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के बाद भारत के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बन गए।

विंबलडन : घुटने की चोट के कारण सेरेना विलियम्स ने डबल्स से नाम वापस लिया

एजेंसी

लंदन। अमेरिका की दिग्गज टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स ने घुटने की चोट के कारण विंबलडन 2026 के महिला डबल्स मुकाबले से नाम वापस ले लिया है। इसके साथ ही उनकी बहन वीनस विलियम्स के साथ ऑल इंग्लैंड क्लब में लंबे समय बाद होने वाली बहुप्रतीक्षित जोड़ी देखने का इंतजार भी खत्म हो गया। सेरेना ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि उनका घुटना अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुआ है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा, डबल्स से हटना मेरे लिए बेहद दुखद है। कोर्ट पर वापसी अपने आप में एक उपहार रही है और वीनस के साथ फिर से खेलने का मौका मेरे लिए बहुत खास था। मैंने पूरी कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्य से मेरा घुटना अभी प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार नहीं है।

सेरेना को यह चोट इस सप्ताह अपने पहले दौर के एकल मुकाबले के दौरान लगी थी। करीब चार साल बाद ग्रैंड स्लैम एकल स्पर्धा में वापसी कर रहीं सेरेना को

ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट के खिलाफ 6-3, 6-7 (6), 6-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

विलियम्स बहनों को विंबलडन डबल्स ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड मिला था। पहले दौर में उनका मुकाबला सोलाना सिएरा और कैमिला ओसोरियो की जोड़ी से होना था। दोनों बहनों ने अब तक 6 विंबलडन महिला डबल्स खिताब और 14 ग्रैंड स्लैम महिला डबल्स खिताब जीते हैं।वह 2022 के यूएस ओपन के बाद दोनों बहनों का पहला डबल्स मुकाबला होने वाला था। इससे पहले सेरेना ने इस सीजन में वापसी करते हुए क्वीन्स क्लब चैंपियनशिप में विक्टोरिया म्बोको और बर्लिन में कारोलिना मुचोवा के साथ डबल्स मुकाबले खेले थे।23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना ने अपनी अगली वापसी की तारीख का खुलासा नहीं किया, लेकिन संकेत दिया कि प्रशंसकों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने लिखा, फिलहाल इतना ही कहूंगी– अपने शहर के आसपास नजर बनाए रखें। वहीं, वीनस विलियम्स विंबलडन में मिक्स्ड डबल्स अभियान समाप्त होने के बाद अब वॉशिंगटन ओपन और कनाडियन ओपन में हिस्सा लेंगी।

विश्व कप, एशियाई खेलों से पहले लय में लौटी भारतीय हॉकी टीम, यूरोप में दमदार प्रदर्शन से बढ़ा आत्मविश्वास

एजेंसी

नई दिल्ली।भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2025-26 का समापन शानदार प्रदर्शन के साथ किया। टीम ने यूरोपीय चरण में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी और पेरिस ओलंपिक 2024 की स्वर्ण पदक विजेता नीदरलैंड को हराया, जबकि दुनिया की तीसरे नंबर की टीम इंग्लैंड के खिलाफ दोनों मुकाबलों में कड़ी टक्कर दी। इन प्रदर्शनों ने यह संकेत दिया कि भारतीय टीम विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले सही समय पर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल कर रही है। भारतीय टीम का यह सफर तीन अलग-अलग चरणों में आगे बढ़ा। राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद टीम ने अपनी कमजोरियों पर काम किया और होबार्ट चरण में सुधार के स्पष्ट संकेत दिए। होबार्ट में भारत ने शुरुआत स्पेन के खिलाफ 0-2 की हार से की, लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में भारत को हार मिली। अंतिम मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद शूटआउट 3-1 से जीतकर आत्मविश्वास हासिल किया। होबार्ट चरण में भारतीय रक्षा पंक्ति ने खासा प्रभाव छोड़ा। चार मुकाबलों में टीम ने केवल छह गोल खाए, जिनमें तीन पेनल्टी कॉर्नर और तीन फील्ड गोल शामिल थे। वहीं आक्रमण में भी सुधार देखने को मिला, जहां टीम ने दो फील्ड गोल और दो पेनल्टी कॉर्नर गोल किए।जून में यूरोप चरण शुरू होने तक भारतीय टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर होता गया। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट के सबसे यादगार नतीजे दर्ज किए। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर शामिल रहे। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि भारतीय टीम अब केवल पेनल्टी कॉर्नर पर निर्भर नहीं है, बल्कि खुले खेल में भी लगातार मौके बनाकर गोल करने में सफल हो रही है। लंदन चरण में भी भारत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय में अपराजित रहा। टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ दोनों मैच जीते, जिनमें एक मुकाबले में 7-1 की बड़ी जीत दर्ज की। इंग्लैंड के खिलाफ दोनों मैच ड्रॉ रहे, जिनमें से एक शूटआउट भारत ने अपने नाम किया। लंदन चरण में भारत ने चार मैचों में कुल 13 गोल किए। इनमें सात फील्ड गोल, पांच पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक से आया। वहीं रक्षा पंक्ति ने केवल छह गोल खाए, जिनमें सिर्फ एक फील्ड गोल था। यूरोपीय चरण में भारत के लिए सबसे अधिक चार-चार गोल दिलप्रीत सिंह और जुगराज सिंह ने किए। अभिषेक, सुखजीत सिंह और नीलकांत शर्मा ने तीन-तीन गोल किए। कई खिलाड़ियों का गोल करना इस बात का संकेत है कि टीम का आक्रमण अब पहले से अधिक संतुलित और मजबूत हो चुका है। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा,इस प्रो लीग अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि टीम का बढ़ता आत्मविश्वास रहा। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी टीमों को हराना और इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन यह साबित करता है कि यदि हम अपनी रणनीति पर अमल करें तो दुनिया की किसी भी टीम को चुनौती दे सकते हैं। विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले यह हमारे लिए बेहद सकारात्मक संकेत है।

स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में मुरादाबाद के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

एजेंसी

मुरादाबाद। नई दिल्ली की डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में एक जुलाई से चार जुलाई तक आयोजित 49वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में मुरादाबाद के हॉक आई शूटिंग एकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में हॉक आई शूटिंग एकेडमी मुरादाबाद के कई निशानेबाजों ने भाग लिया। आयुष अग्रवाल, रुद्र प्रताप सिंह, समेत कई खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आगामी प्री-नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर संस्थान व जनपद का नाम रोशन किया।

कोच पुष्कर देओल व उत्सव विश्नोई ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटे हैं। प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फीफा विश्व कप 2026ः एकता और लड़ने का जज्बा मेक्सिको की सफलता का कारण, स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का बयान

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में सोमवार को मेक्सिको का मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ होना है। इस मैच के लिए मेक्सिको पूरी तरह तैयार है। मेक्सिको का अब तक का प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम के स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का मानना है कि विश्व कप में उनकी टीम के जोरदार प्रदर्शन की वजह एकता और लड़ने का जज्बा है। जिमेनेज ने फीफा से बातचीत के दौरान कहा, 'हम पूरी तरह से अपने लक्ष्य पर केंद्रित एकजुट हैं। एकजुटता और एक पारिवारिक भावना हमें बड़ी चीजों के लिए प्रेरित रही है। हमें मेक्सिको को अभी एक और मैच खेलना है। हम पूरी तरह से जानते हैं कि क्या दांव पर लगा है।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। हमारी टीम सच में बहुत मजबूत है। जेवियर

एगुइरे के चार्ज संभालने के बाद से हम सब एक साथ हैं। आसमान ही हमारे लिए सीमा है।' इंग्लैंड के मैच भी है। जिमेनेज ने प्रीमियर लीग में इंग्लैंड के गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड का छह बार सामना किया है और हर बार गोल किया है, जिसमें एवर्टन के गोलकीपर ने मैक्सिकन स्ट्राइकर को छह गोल खाने दिए हैं–जिमेनेज के करियर में किसी भी दूसरे खिलाड़ी के खिलाफ सबसे ज्यादा।

35 साल के इस खिलाड़ी के लिए विश्व कप निजी तौर पर काफी अहम रहा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टूर्नामेंट का उनका पहला गोल उनके करियर का पहला विश्व कप गोल था। पिछले तीन संस्करणों में वे गोल नहीं कर पाए थे। यह गोल उन्होंने अपने पिता को समर्पित किया था, जिनका मार्च में निधन हो गया था। जिमेनेज ने कहा, 'अगर मेरे पिता यहां होते तो स्टेडियम में सबसे खुश इंसान होते। यह गोल उनके लिए था।'

इंग्लैंड और मैक्सिको ने अब तक 9 आधिकारिक मैचों में एक-दूसरे का सामना किया है। इंग्लैंड ने 6, जबकि मैक्सिको ने 2 मैच जीते हैं। 1 मैच ड्रा रहा है।

प्रदेश स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में विंध्याचल मंडल का दमदार प्रदर्शन, दूसरे दिन छह पदक जीते

एजेंसी

मीरजापुर। लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक-बालिका तैराकी प्रतियोगिता में विंध्याचल मंडल के खिलाड़ियों ने दूसरे दिन भी शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। दो दिनों में मंडल के खिलाड़ियों ने कुल पांच स्वर्ण सहित 10 पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

टीम मैनेजर लक्ष्मी शंकर और बलवंत निषाद ने शनिवार को बताया कि रानी निषाद ने 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में स्वर्ण पदक जीता। शिवाकांत ने 200 मीटर बैक स्ट्रोक और 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले (आईएम) में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं करेंट साहनी ने 1500 मीटर फ्री

स्टाइल और 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में रजत पदक जीते। प्रिंस साहनी ने 1500 मीटर फ्री स्टाइल में कांस्य पदक अपने नाम किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी धर्मवीर सिंह, तैराकी संघ के पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में विंध्याचल मंडल के तैराकों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से जनपद में खुशी का माहौल है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के क्लब अल-नासर को मिला नया कोच, एंजे पोस्टेकोग्लू के हाथों में सौंपी कमान

एजेंसी

नई दिल्ली। सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है। एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।' पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी। इसके अलावा वह सादियो माने, किंग्सले कोमान और जोआओ फेलिक्स जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देंगे। इस समय 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल की ओर से फीफा विश्व कप 2026 में खेल रहे हैं। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पेनल्टी के जरिए बराबरी का गोल दागा था। हालांकि बाद में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया।

प्रो बॉक्सिंग लीग छह जुलाई से, तैयारियों को लेकर हुई अहम बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। तालकटोरा स्टेडियम में 6 जुलाई से शुरू होने वाली प्रो बॉक्सिंग लीग के लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। आयोजन से पहले तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें आयोजन से जुड़े सभी प्रमुख साझेदारों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया।लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के अध्यक्ष राकेश मिश्रा ने कहा कि लीग का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता आयोजित करना नहीं, बल्कि बॉक्सिंग को आम लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खेल के माध्यम से पहचान और आर्थिक अवसर दोनों मिलने चाहिए। उनका मानना है कि प्रोफेशनल बॉक्सिंग का मजबूत ढांचा तैयार होने से भारतीय मुक्केबाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर अनुभव मिलेगा और भविष्य में ओलंपिक में अधिक पदक जीतने की राह भी मजबूत होगी। बैठक में दिल्ली के विधायक अशोक गोयल ने

कहा कि इस तरह के आयोजनों से बॉक्सिंग को नई पहचान मिलेगी और यह खेल जन-जन तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि राजधानी में इतने बड़े स्तर पर बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आयोजन समिति से जुड़े शशिकांत मिश्रा ने बताया कि लीग को भव्य और पेशेवर स्वरूप देने के लिए देश की अग्रणी संस्थाओं को जोड़ा गया है। मुकाबलों का सीधा प्रसारण जीओ हॉटस्टार पर किया जाएगा, जबकि टिकटों की बुकिंग बुकमाई शो के माध्यम से उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि दर्शकों को विश्वस्तरीय अनुभव देने के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

6 जुलाई से शुरू होने वाली इस लीग में देश के प्रमुख मुक्केबाज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में चार टीमों के कुल 32 खिलाड़ी रिंग में उतरेंगे और दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। आयोजकों का विश्वास है कि यह लीग भारतीय बॉक्सिंग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और खेल के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।इस अवसर पर बॉक्सिंग से जुड़े दिल्ली के पूर्व महापौर जयप्रकाश ने कहा कि प्रो बॉक्सिंग लीग को अंतरराष्ट्रीय स्तर का आयोजन बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी संबंधित संस्थाएं और आयोजन समिति मिलकर पूरी मेहनत कर रही हैं। उनका विश्वास है कि यह लीग न केवल भारतीय बॉक्सिंग को नई पहचान दिलाएगी, बल्कि भविष्य में विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन का भी मजबूत आधार बनेगी।

अकासा एयर के बेड़े में 40वां विमान शामिल, एयरलाइन ने बेड़े का किया विस्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। नवोदित विमानन सेवा कंपनी अकासा एयर के बेड़े में 40वां विमान शामिल हो गया है। इसमें सबसे नया विमान बोइंग 737 मैक्स 8-200 है, जिसका पंजीकरण संख्या वीटी-वाईबीक्यू है। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इस विमान की लैंडिंग हुई। एयरलाइन ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि अकासा एयर को अपना 40वां विमान मिल गया है। यह अकासा एयरलाइन के बेड़े (फ्लीट) के विस्तार में एक और अहम पड़ाव है, क्योंकि कंपनी अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को लगातार बढ़ा रही है। इसके साथ ही एयरलाइन ने इस साल अब तक नौ बोइंग 737 मैक्स विमान अपने बेड़े में शामिल कर लिए हैं। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि हमें अपने बढ़ते हुए अकासा फ्लीट में 40वें विमान वीटी-वाईबीक्यू का स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है। इससे अगस्त 2022 में कामकाज शुरू होने के बाद से हमारे विस्तार की गति और निरंतरता और मजबूत हुई है। यह उपलब्धि सिर्फ फ्लीट के बढ़ने से कहीं ज्यादा है। यह अनुशासित काम, बेहतरीन ऑपरेशन, ग्राहकों के भरोसे और उन सभी आकासियन्स (आकासा के लोगों) और पार्टनर्स की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाती है, जिनकी वजह से यह सफर मुमकिन हो पाया है।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री ने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर वाहन विनिर्माताओं के साथ बैठक की

नई दिल्ली/बेंगलुरु। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली प्रमुख कंपनियों के साथ बैठक की। बैठक में देश में स्वदेशी विनिर्माण को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा हुई। भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्रालय ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में बताया कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली प्रमुख कंपनियों के साथ बैठक की और देश में ही मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा में देश में एक मजबूत, नवाचार आधारित और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी इलेक्ट्रिक वाहन परिवेश विकसित करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस बैठक के दौरान वाहन विनिर्माताओं ने केंद्रीय मंत्री को स्वदेशी इलेक्ट्रिक वाहन मंच और तकनीकों को विकसित करने के लिए उनके द्वारा किए गए प्रगति के बारे में जानकारी दी। आधिकारिक बयान के मुताबिक 'विनिर्माताओं ने स्वदेशी इंजीनियरिंग, उत्पाद विकास और घरेलू विनिर्माण क्षमताओं पर अपना ध्यान केंद्रित करने की बात कही। उन्होंने भारत को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए एक प्रमुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने का अपना दृष्टिकोण साझा किया।'

सरकार ने प्याज की खरीद कीमत 13 फीसदी बढ़ाकर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल किया

नई दिल्ली। सरकार ने प्याज की खरीद कीमत 13 फीसदी बढ़ाकर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल कर दी है। इससे प्याज किसानों को बेहतर रिटर्न मिलेगा और बफर खरीद मजबूत होगी। नई दरें 4 जुलाई से प्रभावी हो गई हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने 'प्राइस स्टेबलाइजेशन बफर' (कीमतों को स्थिर रखने के लिए बनाए गए स्टॉक) के लिए प्याज की खरीद कीमत 13 फीसदी बढ़ा दी है, जो 1,875 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। ये नई खरीद कीमत 4 जुलाई से प्रभावी हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार के 'प्राइस स्टेबलाइजेशन बफर' के लिए भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नाफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) के जरिए प्याज की खरीद का काम चल रहा है। प्याज खरीद की ये नई कीमत प्याज किसानों को बेहतर आमदनी दिलाएगी और बफर स्टॉक बनाने की कोशिशों में भी मदद करेगी। वहीं, कृषि और किसान कल्याण विभाग के 2025-26 के दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, प्याज का उत्पादन 307.37 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) रहने का अनुमान है, जो 2024-25 में हुए 307.67 एलएमटी के उत्पादन के लगभग बराबर है। मंत्रालय ने कहा कि प्याज उत्पादन के इन अनुमानों को देखते हुए इस समय प्याज की कुल उपलब्धता चिंता का विषय नहीं है। हालांकि, कीमतों में सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव के कारण थोड़ी बढ़ोतरी की उम्मीद की जा सकती है। वहीं, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में स्टॉक का स्तर पर्याप्त है।

जयपुर में जस-2026 का शुभारंभ, दुबई ज्वैलरी ग्रुप से एमओयू

जयपुर। राजधानी के सीतापुरा स्थित नोवाटेल जेईसीसी में शुक्रवार से तीन दिवसीय ज्वेलर्स एसोसिएशन शो (जस-2026) का भव्य शुभारंभ हुआ। 3 से 5 जुलाई तक आयोजित इस बी-टू-बी प्रदर्शनी में पहली बार विश्व के जेम्स, ज्वेलरी और डायमंड उद्योग की प्रमुख हस्तियां एक मंच पर एकत्रित हुईं। उद्घाटन समारोह के दौरान दुबई ज्वैलरी ग्रुप और ज्वेलर्स एसोसिएशन जयपुर (जस) के बीच ऐतिहासिक समझौता (एमओयू) भी हुआ, जिससे जयपुर और दुबई के ज्वेलरी कारोबार को नई गति मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम का उद्घाटन मालाबार ग्रुप के वाइस चेयरमैन एवं जीईडी के.पी. अब्दुल सलाम, दुबई ज्वैलरी ग्रुप के चेयरमैन तौहीद अब्दुल्लाह, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य सुरजीत भुजबल तथा राष्ट्रीय रत्न एवं आभूषण परिषद (एनजीजेसीआई) के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने किया।

भारत-इजरायल द्विपक्षीय निवेश समझौता लागू, निवेशकों को मिलेगा अधिक संरक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और इजरायल के बीच 8 सितंबर 2025 को हस्ताक्षरित ऐतिहासिक द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए) आधिकारिक रूप से लागू हो गया। इस समझौते को दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और निवेशकों के लिए सुरक्षित, पारदर्शी तथा भरोसेमंद निवेश माहौल तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह समझौता निवेश और निवेशकों को मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर सरकारों को सार्वजनिक हित से जुड़े नीतिगत फैसले लेने के लिए पर्याप्त अधिकार और लचीलापन भी देता है। मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून के आधुनिक सिद्धांतों और विकसित हो रहे न्यायिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

सरकार का मानना है कि इस समझौते के लागू होने से भारत और इजरायल के बीच सीमा-पार निवेश गतिविधियों में तेजी आएगी और दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी पहले से अधिक मजबूत होगी। गौरतलब है कि 8 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इजरायल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह समझौता निवेशकों को अधिक सुरक्षा और निश्चितता प्रदान करेगा। साथ ही, व्यापार और पारस्परिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए न्यूनतम स्तर के निवेश संरक्षण और विवादों के समाधान के लिए स्वतंत्र मध्यस्थता की व्यवस्था भी उपलब्ध कराएगा। समझौते में निवेश के अधिग्रहण से सुरक्षा, पारदर्शिता सुनिश्चित करने, निवेश से जुड़े धन के सुचारु हस्तांतरण और नुकसान की स्थिति में उचित मुआवजे जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं शामिल की गई हैं। इसके साथ ही, निवेशकों के हितों की रक्षा और सरकारों के नियामकीय अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि संप्रभु नीतिगत निर्णय प्रभावित न हों। सरकार का कहना है कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। वर्तमान में भारत और इजरायल के बीच कुल द्विपक्षीय निवेश लगभग 80 करोड़ डॉलर का है, जिसे आने वाले वर्षों में इस समझौते के जरिए और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे दोनों देशों की कंपनियों और अर्थव्यवस्थाओं को लाभ मिलेगा। समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि दोनों देशों के उद्योग जगत को निवेश के नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए आपसी कारोबारी संपर्क बढ़ाने चाहिए। वहीं, इजरायल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने कहा था।

कैट ने पश्चिम बंगाल में व्यापार और उद्योग को लेकर मंत्री अग्निमित्रा पाल से की मुलाकात

एजेंसी

कोलकाता। कनफेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल में व्यापार, उद्योग और निवेश की संभावनाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार की शहरी विकास एवं नगर निकाय मामलों की मंत्री अग्निमित्रा पाल से भी शामिल हुईं। छुट्टियांव मौसमी आयोजन सूत्रों के अनुसार, कैट प्रतिनिधियों ने राज्य के मौजूदा औद्योगिक परिदृश्य पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में उद्योग एवं व्यापार जगत से जुड़े प्रतिनिधि ने राज्य में आर्थिक विकास को गति देने, नए निवेश आकर्षित करने तथा उद्योग-अनुकूल वातावरण को और मजबूत बनाने के संबंध में अपने सुझाव मंत्री के समक्ष रखे।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में निवेश बढ़ाने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए सरकार, उद्योग जगत और निवेशकों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। मंत्री अग्निमित्रा पाल ने प्रतिनिधि मंडल के सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और राज्य में व्यापार एवं उद्योग के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। बैठक में पश्चिम बंगाल की दीर्घकालिक आर्थिक समृद्धि, औद्योगिक विस्तार तथा निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई।

हीरो और होंडा को पीछे छोड़ कुल बिक्री में सबसे आगे निकली टीवीएस

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के दोपहिया वाहन बाजार में लंबे समय से हीरो और होंडा का दबदबा माना जाता रहा है। जून 2026 में भी घरेलू बाजार में हीरो मोटोकॉर्प ने सबसे अधिक मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचकर अपनी बढ़त बरकरार रखी। कंपनी ने इस दौरान 5,02,890 वाहनों की बिक्री दर्ज की। वहीं, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया 4,68,956 वाहनों के साथ दूसरे स्थान पर रही। तीसरे स्थान पर टीवीएस मोटर रही, जिसने घरेलू बाजार में 4,11,014 वाहनों की बिक्री की। हालांकि, जब घरेलू बिक्री के साथ विदेशों में भेजे गए वाहनों के आंकड़ों को भी शामिल किया गया तो तस्वीर पूरी तरह बदल गई और टीवीएस कुल बिक्री के मामले में पहले स्थान पर पहुंच गई। विदेशों में मजबूत मांग से मिला बड़ा फायदा जून 2026 के दौरान टीवीएस ने विदेशी बाजारों में 1,54,403 दोपहिया वाहनों का निर्यात किया। यह आंकड़ा हीरो मोटोकॉर्प और होंडा, दोनों से काफी अधिक रहा। इसी अवधि में होंडा ने 59,325 और हीरो मोटोकॉर्प ने 38,269 वाहनों का निर्यात किया। निर्यात में मिली इस बड़ी बढ़त के कारण टीवीएस की घरेलू और विदेशी बाजारों की कुल बिक्री बढ़कर 5,65,417 वाहनों तक पहुंच गई। इसके मुकाबले हीरो मोटोकॉर्प की कुल बिक्री 5,41,159 और होंडा की 5,28,281 वाहन रही।घरेलू और विदेशी बाजारों को मिलाकर जून 2026 में टीवीएस सबसे अधिक दोपहिया वाहन बेचने वाली कंपनी रही। दूसरे स्थान पर हीरो मोटोकॉर्प और तीसरे स्थान पर होंडा रही। इस तरह निर्यात बाजार में मजबूत प्रदर्शन ने टीवीएस को कुल बिक्री के मामले में शीर्ष स्थान दिला दिया।वार्षिक आधार पर सबसे तेज बढ़ी टीवीएस जून 2025 की तुलना में कुल बिक्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक बढ़ोतरी टीवीएस ने दर्ज की। कंपनी की कुल बिक्री में 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई। होंडा की बिक्री में 26 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जबकि हीरो मोटोकॉर्प की कुल बिक्री में करीब 2.3 प्रतिशत की हल्की गिरावट दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि विदेशी बाजारों में बढ़ती मांग का सबसे अधिक लाभ टीवीएस को मिला। घरेलू बाजार की बात करें तो हीरो मोटोकॉर्प अब भी पहले स्थान पर बनी हुई है। हालांकि, मई 2026 की तुलना में उसकी बिक्री में 6.31 प्रतिशत और जून 2025 की तुलना में 4.24 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। इसके बावजूद कंपनी घरेलू बाजार में सबसे अधिक दोपहिया वाहन बेचने वाली कंपनी रही। दूसरी ओर, होंडा ने घरेलू बाजार में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया। कंपनी की बिक्री में मासिक आधार पर 2.03 प्रतिशत और वार्षिक आधार पर 20.61 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

दो बैंकों से 232 करोड़ की धोखाधड़ी मामलों में सीबीआई की छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दो बड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों में महाराष्ट्र और गुजरात में छापेमारी की। इन मामलों में कुल 231 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी का आरोप है। सीबीआई ने बताया कि पहला मामला मुंबई स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत पर दर्ज किया गया है, जिसमें आरएल ज्वेल्स लिमिटेड और उसके निदेशकों पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, विश्वासघात, संपत्ति के दुरुपयोग और फर्जीवाड़े का आरोप है। इस मामले में बैंक को लगभग 103.58 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आरोप है कि कंपनी ने धन का दुरुपयोग किया, अन्य बैंकों के खातों के माध्यम से फंड स्थानांतरित किए और रिकॉर्ड में हेरफेर की। दूसरा मामला केनरा बैंक की शिकायत पर दर्ज किया गया है, जिसमें अशापुरा गारमेंट्स लिमिटेड और उसके निदेशकों पर बैंकिंग कंसोर्टियम को धोखा देने का आरोप है। शिकायत के अनुसार, कंपनी ने वस्त्र उद्योग के लिए दी गई बैंक

सुविधाओं को अन्य क्षेत्रों में डायवर्ट किया और स्टील, एल्युमिनियम व कोयले के कारोबार में उच्च मूल्य के लेन-देन किए। इस धोखाधड़ी से बैंकों को लगभग 128.23 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सीबीआई ने कहा कि एजेंसी ने महाराष्ट्र और गुजरात में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इसमें आरोपितों के आवासीय परिसरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और कंपनियों के कार्यालयों को शामिल किया गया। तलाशी के दौरान संदिग्ध दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं, जिनमें धन के डायवर्जन और साजिश से जुड़े रिकॉर्ड शामिल हैं। सीबीआई ने कहा कि बरामद सामग्री की जांच की जा रही है ताकि पूरे षड्यंत्र, धन के प्रवाह और सभी संबंधित व्यक्तियों की भूमिका का पता लगाया जा सके।

पीयूष गोयल ने खिलौना उद्योग से निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय खिलौना उद्योग से अगले चार वर्षों में खिलौनों के निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य तय करने का आह्वान किया है। उन्होंने उद्योग को भरोसा दिलाया कि सरकार खिलौनों पर लागू अनिवार्य क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) को वापस नहीं लेगी और घरेलू उद्योग को सस्ते विदेशी आयात (डंपिंग) से भी पूरी सुरक्षा प्रदान करेगी। 17वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2026 को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि दुनिया का खिलौना बाजार करीब 120 अरब डॉलर का है, लेकिन इसमें भारत की हिस्सेदारी केवल 0.2 से 0.3 प्रतिशत के बीच है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए यह बड़ा अवसर है और देश को वैश्विक बाजार में कहीं अधिक हिस्सेदारी हासिल करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि पिछले चार वर्षों में भारत के खिलौना निर्यात में 239 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन उद्योग को इससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि अगले चार वर्षों

में मौजूदा स्तर से 10 गुना निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलौना निर्माता अब केवल घरेलू बाजार तक सीमित न रहें, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाएं। पीयूष गोयल ने उद्योग जगत से भारत द्वारा हाल के वर्षों में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में भारत 9 मुक्त व्यापार समझौते कर चुका है, जिससे भारतीय कंपनियों के लिए विकसित देशों के बाजारों तक पहुंच आसान हुई है। उन्होंने कहा कि उद्योग को इन समझौतों के दायरे में आने वाले 38 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजने चाहिए और वहां के स्थानीय उद्योगों, सुपरमार्केट श्रृंखलाओं तथा ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ साझेदारी विकसित करनी चाहिए, ताकि भारतीय खिलौने दुनिया भर के बाजारों तक पहुंच सकें। गोयल ने कहा कि भारतीय खिलौना उद्योग को अत्याधुनिक मशीनरी अपनानी चाहिए और उत्पादों की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने का सुझाव भी दिया, जहां उत्पाद परीक्षण, डिजाइन विकास और नवाचार जैसी सुविधाएं उपलब्ध हों। उनका कहना था कि उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद ही भारतीय खिलौनों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाएंगे। क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) को लेकर उद्योग की चिंताओं पर स्पष्ट संदेश देते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार इस व्यवस्था को समाप्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, 'जब तक मैं हूं, कोई भी क्यूसीओ को नहीं हटाएगा। क्यूसीओ लागू रहेगा और सरकार किसी भी देश से होने वाली अनुचित डंपिंग से भारतीय उद्योग की रक्षा करेगी।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हाल ही में लागू किया गया ट्रांजिशन फैसिलिटेशन (क्वालिटी कंट्रोल) ऑर्डर, 2026 केवल उद्योग को सीमित अवधि के लिए उत्पादन और निवेश बढ़ाने में सुविधा देने के उद्देश्य से लाया गया है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते के तहत वस्तु के मूल स्रोत का पता लगाने के नियम अधिसूचित

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) के तहत सामान की उत्पत्ति का पता लगाने के नियम जारी किए हैं। ये नियम 15 जुलाई से लागू होंगे। छुट्टियांव मौसमी आयोजन वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के जरिए इस संदर्भ में एक अधिसूचना जारी की गई है। सीबीआईसी ने यह नियम 03 जुलाई, 2026 की अधिसूचना संख्या 62/2026-कस्टम्स (एन.टी.) के जरिए अधिसूचित किए हैं। यह नियम 15 जुलाई, 2026 से लागू होंगे। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने जारी अधिसूचना में कहा कि दोनों देशों द्वारा अधिकृत संस्थानों को अपने-अपने देशों में ये प्रमाणपत्र जारी करने की अनुमति है। इसमें कहा गया है, ''इन नियमों को सीमा शुल्क (भारत और यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन तथा उत्तरी आयरलैंड के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते के तहत वस्तु की उत्पत्ति का निर्धारण) नियम, 2026 कहा जा सकता है। भागीदार देशों के साथ भारत के व्यापार समझौते के तहत शुल्क लाभ पाने के लिए निर्यात को लेकर 'उत्पत्ति प्रमाणपत्र' एक जरूरी दस्तावेज है। उत्पादों के मूल स्रोत का पता लगाना इसलिए जरूरी है ताकि कोई तीसरा देश दोनों देशों के बीच हुए व्यापार समझौते और शुल्क छूट का गलत फायदा न उठा सके। सीईटीए ब्रिटेन को भारत के 99 फीसदी निर्यात के लिए शुल्क मुक्त पहुंच देता है। इससे कपड़ा, समुद्री उत्पाद, चमड़ा, फुटवियर, खेल के सामान, खिलौने और रत्न तथा आभूषण जैसे श्रम गहन उद्योगों के साथ-साथ इंजीनियरिंग के सामान, वाहन कल-पुर्जे और जैविक रसायन जैसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों के लिए नए मौके खुलेंगे।

टोयोटा ने वायरल वीडियो पर दी सफाई, कहा- इनोवा हाइक्रॉस में खराबी ई20 पेट्रोल से नहीं, दूषित ईंधन से हुई थी

एजेंसी

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उस वीडियो पर सफाई दी, जिसमें दावा किया गया था कि टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस में ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से तकनीकी खराबी आ गई। कंपनी ने स्पष्ट किया कि उसकी विस्तृत तकनीकी जांच में पाया गया कि वाहन में आई समस्या का कारण दूषित ईंधन था, न कि ई20 फ्यूल। कंपनी ने बयान में कहा कि संबंधित टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस पूरी तरह ई20 ईंधन के अनुकूल वाहन है, जिसे 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग के लिए डिजाइन, परीक्षण और प्रमाणित किया गया है। टोयोटा के अनुसार, वाहन की विस्तृत तकनीकी जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि समस्या ईंधन में मौजूद अशुद्धियों के कारण हुई थी।

निरीक्षण में वाहन के किसी भी पुर्जे या फ्यूल सिस्टम को कोई नुकसान नहीं पाया गया। कंपनी ने बताया कि उसकी सर्विस टीम ने सबसे पहले वाहन के फ्यूल टैंक और फ्यूल लाइनों की पूरी तरह सफाई की, इसके बाद उसमें मानक ई20 पेट्रोल भरा गया। जांच के बाद वाहन पूरी तरह सामान्य स्थिति में काम करता पाया गया और उसे ग्राहक को वापस सौंप दिया गया। कंपनी ने कहा कि यह पूरी तरह स्पष्ट है कि यह घटना ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से जुड़ी नहीं थी, बल्कि केवल गैर-मानक और दूषित ईंधन के कारण हुई थी। टोयोटा ने ग्राहकों को सलाह दी कि वे हमेशा अधिकृत और विश्वसनीय पेट्रोल पंपों से ही ईंधन भरवाएं, ताकि ईंधन में मिलावट या अशुद्धियों से बचा जा सके। कंपनी ने यह भी कहा कि वाहन के प्रदर्शन या ईंधन की अनुकूलता से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए ग्राहक केवल आधिकारिक और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित स्रोतों पर भरोसा करें तथा जरूरत पड़ने पर अधिकृत टोयोटा डीलरशिप या कंपनी के कस्टमर केयर से संपर्क करें। इस बीच, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) ने भी शुक्रवार को सोशल मीडिया पर फैल रही उन खबरों को भ्रामक और गलत बताया था, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ई20 पेट्रोल वाहनों के लिए नुकसानदायक है, इससे प्रदूषण बढ़ता है और इथेनॉल उत्पादन के लिए अत्यधिक पानी की बर्बादी होती है। मंत्रालय ने कहा कि ऐसे दावों का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है और लोगों को अफवाहों पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

सीबीआई ने बीईएमएल के पूर्व अधिकारी के बैंक लॉकर से 1.24 करोड़ रुपए किए जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल), मैसूर के तत्कालीन वरिष्ठ प्रबंधक के बैंक लॉकरों से 1.24 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की संपत्ति जब्त की है। एजेंसी के अनुसार, यह कार्रवाई कर्नाटक के मैसूर स्थित दो बैंक लॉकरों की तलाशी के दौरान की गई। सीबीआई ने बताया कि 20 अप्रैल 2026 को आरोपी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि आरोपी के पास उसकी ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में लगभग 1.20 करोड़ रुपए से अधिक की अतिरिक्त संपत्ति थी, जो उसकी वैध आय से करीब 51 प्रतिशत अधिक थी। जांच के क्रम में 3 जुलाई 2026 को आरोपी के दो बैंक लॉकर खोले गए। इनमें एक लॉकर भारतीय स्टेट बैंक की 80 फीट रोड शाखा, मैसूर और दूसरा कर्नाटक बैंक की वीवी मोहल्ला शाखा में था। तलाशी के दौरान सीबीआई को सोने के आभूषण, चांदी की वस्तुएं, 24 कैरेट सोने की ईंटें (गोल्ड बुलियन), चांदी की छड़ें, कैश और सावधि जमा (एफडी) से जुड़े दस्तावेज मिले। बरामद सामग्री में 525 ग्राम सोने के आभूषण, 416 ग्राम चांदी की वस्तुएं, 241.21 ग्राम वजनी 24 कैरेट सोने की ईंटें, दो किलोग्राम की चांदी की छड़, 12 लाख रुपए और 10-10 लाख रुपए की दो सावधि जमा (एफडी) शामिल हैं। सीबीआई के अनुसार, आरोपी सोने की ईंटों, चांदी की छड़, नकदी और एफडी के स्रोत के संबंध में कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सका। इसके बाद एजेंसी ने इन सभी संपत्तियों को जब्त कर लिया। हालांकि सोने के आभूषण और चांदी की अन्य वस्तुओं को फिलहाल जब्त नहीं किया गया है और उनकी जांच जारी है। एजेंसी के मुताबिक, जब्त की गई सोने की ईंटों, चांदी की छड़, नकदी और एफडी का कुल मूल्य 1,02,91,184 रुपए आंका गया है। वहीं, सोने के आभूषण और चांदी की वस्तुओं को भी शामिल करने पर बरामद संपत्ति का कुल मूल्य 1,24,91,184 रुपए पहुंचता है।

कुसुमगर लि. का आईपीओ 08 जुलाई को खुलेगा, प्राइस बैंड 398-419 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई। सिंथेटिक फैब्रिक बनाने वाली कंपनी कुसुमगर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 08 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 10 जुलाई, 2026 तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 398-419 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने यहां आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि कुसुमगर लिमिटेड का आईपीओ 08 जुलाई को खुलेगा और 10 जुलाई, 2026 को बंद होगा। इसमें निवेश के लिए एंकर निवेश 7 जुलाई को बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 398-419 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कुसुमगर लिमिटेड का आईपीओ 650 करोड़ रुपये का ऑफर फॉरसेल (ओएफएस) है। कंपनी के 1 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 35 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 35 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी अपने पात्र कर्मचारियों के लिए 3.5 करोड़ रुपये के शेयर आरक्षित किए हैं, जो उन्हें अंतिम निर्गम मूल्य पर 39 रुपये प्रति शेयर की छूट पर प्राप्त होंगे। इसके शेयरों के अलॉटमेंट को 13 जुलाई तक अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। कंपनी के शेयर 15 जुलाई को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

ई20 एक स्वच्छ ईंधन, पुराने वाहनों पर परीक्षण के बाद ही मिली मंजूरी : उद्योग विशेषज्ञ

एजेंसी

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने भारी उद्योग मंत्रालय और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के साथ मिलकर नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया, जिसमें ऊर्जा और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों के प्रमुख विशेषज्ञों ने ई20 इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम पर मीडिया को संबोधित किया। इसमें यह बताया गया कि इथेनॉल मिश्रण एक सुनियोजित, वैज्ञानिक रूप से संचालित और चरणबद्ध प्रक्रिया रही है, और वाहन मालिकों को आश्वस्त किया गया कि ई20 ईंधन से चिंता का कोई कारण नहीं है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को इंडियनऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वर्तिका शुक्ला, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) के कंट्री हेड एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष विक्रम गुलाटी, मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी राहुल भारती, हीरो मोटोकॉर्प के मुख्य व्यवसाय अधिकारी आशुतोष वर्मा, टीवीएस मोटर कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रसाद कृष्णन, हुंडई मोटर इंडिया के एसोसिएट उपाध्यक्ष पुनीत आनंद और बजाज ऑटो लिमिटेड के अर्बनाइट बिजनेस के सर्कल हेड सेल्स (उत्तर एवं पूर्व) मनप्रीत सिंह बिंद्रा ने संबोधित किया। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने कहा कि ऑटोमोटिव उद्योग सबसे कड़ाई से विनियमित क्षेत्रों में से एक है, जहां वाहनों को बाजार में उतारने से पहले और बाद में स्वतंत्र, वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त एजेंसियों द्वारा कठोर परीक्षण और प्रमाणन से गुजरना पड़ता है। उन्होंने इथेनॉल को उच्च-प्रदर्शन वाला, स्वच्छ ईंधन बताया, जिसका उपयोग 1900 के दशक की शुरुआत से और यहां तक ??कि फॉर्मूला रेसिंग में भी किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि ई20 पर जाने का निर्णय पुराने वाहनों पर कठोर परीक्षण के बाद ही लिया गया था, और स्पष्ट किया कि हाल ही में लॉन्च किए गए ई85 वितरण स्टेशन विशेष रूप से फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए हैं, जो भविष्य की नीति की दिशा को दर्शाता है। परीक्षण एजेंसियों की स्वतंत्रता से संबंधित प्रश्नों पर गुलाटी ने स्पष्ट किया कि परीक्षण प्रोटोकॉल केवल भारत में ही निर्धारित नहीं होते। भारत यूएनईसीई का सदस्य है, परीक्षण प्रक्रियाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानकीकृत हैं, और परीक्षण एजेंसियां ??मान्यता प्राप्त, वैश्विक मानकों का पालन करने वाली और नियमित वाहनों का परीक्षण भी करती हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रोटोकॉल से समझौता नहीं किया जा सकता। मारुति सुजुकी के कॉर्पोरेट मामलों के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी राहुल भारती ने ग्राहकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि ई10 के लिए डिजाइन किए गए वाहनों का ई20 ईंधन के साथ सभी मापदंडों पर परीक्षण किया गया है और कोई भी समस्या सामने नहीं आई है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में मारुति सुजुकी द्वारा सर्विस की गई 2.84 करोड़ कारों में से 1.5 करोड़ से अधिक कारें तीन साल से अधिक पुरानी थीं और इसलिए ई20 प्रमाणित नहीं थीं, और फील्ड से जंग, टूट-फूट या पुर्जों के जीवनकाल में कमी जैसी ई20 से संबंधित कोई समस्या रिपोर्ट नहीं की गई है। माइलेज के बारे में भारती ने बताया कि ई20 का कैलोरी मान ई10 से लगभग 3 से 3.5 प्रतिशत कम है, और माइलेज पर इसका प्रभाव इसी सीमा तक सीमित है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि 20 किमी प्रति लीटर माइलेज देने वाली कार के लिए, माइलेज पर प्रभाव लगभग 0.6 किमी प्रति लीटर ही रहता है, जबकि टायर का दबाव, ड्राइविंग का तरीका, सही गियर का उपयोग, त्वरण, ब्रेकिंग और रखरखाव जैसे कारक माइलेज में कहीं अधिक अंतर पैदा करते हैं। माइलेज में होने वाली यह कमी, बेहतर त्वरण, बेहतर एंटी-नॉकिंग और शुद्ध पेट्रोल की तुलना में इथेनॉल से होने वाले काफी कम प्रदूषण के कारण पूरी तरह से भरपाई हो जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वाहनों को ई20 मानकों के अनुपालन से कहीं अधिक सुरक्षा कारकों के साथ डिजाइन किया गया है, और बाजार में कोई रेट्रोफिटमेंट किट उपलब्ध नहीं है, ऐसे समाधान फिलहाल अनुसंधान एवं विकास तक ही सीमित हैं।

लेबनान के राष्ट्रपति ने अमेरिका से समर्थन जारी रखने की अपील की

एजेंसी

बेरूत। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने अमेरिका से अपने देश के समर्थन में लगातार खड़े रहने की अपील की है। यह अपील हाल ही में अमेरिका की मध्यस्थता से इजराइल और लेबनान के बीच हुए उस ढांचेगत समझौते के बाद आई है, जिसमें हिज्बुल्लाह के निरस्त्रीकरण का प्रावधान शामिल है। अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेजे गए बधाई संदेश में आउन ने कहा कि अमेरिका, लेबनान के वैध अधिकारों, सरकारी संस्थाओं, सेना और जनता के साथ हमेशा खड़ा रहे। उन्होंने आशा जताई कि लेबनान अब युद्धों के दौर को पीछे छोड़कर शांति, स्थिरता और उम्मीद के नए अध्याय की शुरुआत कर सकेगा। हालांकि, लेबनान सरकार द्वारा हिज्बुल्लाह को निरस्त्र करने की योजना को लेकर देश में चिंता भी बढ़ गई है। माना जा रहा है कि इससे 1975 से 1990 तक चले गृहयुद्ध जैसी स्थिति दोबारा पैदा होने का खतरा हो सकता है। उधर, हिज्बुल्लाह ने अमेरिका समर्थित इस समझौते को खारिज करते हुए अपने हथियार छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है, जिससे क्षेत्र में तनाव बना हुआ है।

रूस ने लेनिनग्राद क्षेत्र में यूक्रेन के 72 ड्रोन मार गिराने का किया दावा

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज्देंको ने कहा कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने क्षेत्र में यूक्रेन के 72 ड्रोन मार गिराए। गवर्नर के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक इस हमले में कोई हताहत या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि लेनिनग्राद क्षेत्र पर किए गए इस बड़े ड्रोन हमले को सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया है और अब हवाई हमले की चेतावनी (एयर रेड अलर्ट) समाप्त कर दी गई है। ड्रोज्देंको ने बताया कि मार गिराए गए ड्रोन का मलबा विसोत्स्क बंदरगाह के पास मिला है। यह तेल टर्मिनल सेंट पीटर्सबर्ग से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है। उधर, सेंट पीटर्सबर्ग के गवर्नर अलेक्जेंडर बेगलोव ने भी सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि यूक्रेनी ड्रोन ने शहर के कीरोव्स्की जिले स्थित एक तेल टर्मिनल को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ और न ही किसी औद्योगिक या तकनीकी गतिविधि पर कोई प्रभाव पड़ा।

नेपाल में मंत्रालयों की संख्या घटाने से सालाना 20 अरब रुपये की बचत का दावा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने प्रशासनिक सुधार अभियान के तहत संघीय मंत्रालयों की संख्या घटाने से प्रतिवर्ष लगभग 20 अरब रुपये की बचत होने का दावा किया है। बालेन्द्र सरकार के कार्यकाल के सौ दिन पूरे होने के अवसर पर यहां आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार के प्रवक्ता एवं शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल ने बताया कि सरकार के नीतिगत सुधार कार्यक्रम के तहत संघीय मंत्रालयों की संख्या 25 से घटाकर 18 कर दी गई है। इसके बाद 17 सदस्यीय मंत्रिपरिषद का गठन किया गया है, जिससे राज्य के प्रशासनिक खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि मंत्रालयों की संरचना को सुव्यवस्थित करने का यह निर्णय सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी द्वारा अपने चुनावी घोषणापत्र में किए गए प्रमुख वादों में से एक था। पोखरेल ने बताया कि सरकार ने एक नया विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार मंत्रालय भी स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि व्यापक संस्थागत और नीतिगत सुधार पहल के तहत सरकार ने ट्रेड यूनियनों को समाप्त करने का निर्णय लिया है।

बालेन्द्र सरकार के सौ दिन को प्रचंड ने पूरी तरह असफल बताया

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के प्रमुख पुष्पकमल दहाल 'प्रचंड' ने बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार के 100 दिन को पूरी तरह असफल बताया है। पार्टी की प्रदेश स्तरीय बैठक में शामिल होने के लिए बुटवल पहुंचे प्रचंड ने पत्रकारों से बातचीत में यह टिप्पणी की। प्रचंड ने कहा, 'जनता को जिन आश्वासनों और भ्रमों के आधार पर सरकार बनाई गई थी, उस दृष्टि से मैं इन 100 दिनों को पूरी तरह असफल मानता हूं।' प्रचंड ने कहा कि वर्तमान समय में केवल वाम एकता ही नहीं, बल्कि नेपाली कांग्रेस सहित सभी दलों के बीच सहयोग भी जरूरी है। उन्होंने कहा, 'वाम एकता से भी अधिक आज देश की आवश्यकता कांग्रेस, सीपीएन (एमाले) और सभी दलों के साथ मिलकर कार्य करने की है। हम इस दिशा में प्रयासरत हैं।'

नेपाल के गृहमंत्री ने कहा- सीमा सुरक्षा सुदृढ़ करना सरकार की प्राथमिकता

काठमांडू। नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरूंग ने कहा है कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करना और पुलिस संरचना को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए दौरे पर पहुंचे गुरुंग ने विराटनगर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा कि सरकार देशभर में जर्जर पुलिस कार्यालय भवनों के पुनर्निर्माण की भी तैयारी कर रही है। कई जिलों में पुलिस संरचना की खराब स्थिति से वे अवगत हैं।

केंद्र में शहबाज सरकार की सहयोगी पार्टी ने दी आंदोलन की चेतावनी

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान की संघीय सरकार में शामिल सहयोगी पार्टी मानी जाने वाली मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) ने केंद्र में बैठी शहबाज शरीफ सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उसके साथ हुए समझौते को लागू नहीं किया गया तो वह पूरे सिंध में आंदोलन शुरू करेगी। एमक्यूएम-पी, जो प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार में गठबंधन सहयोगी है। प्रमुख अंग्रेजी दैनिक डॉन के मुताबिक एमक्यूएम-पी ने आरोप लगाया है कि 2022 में हुए 18-सूत्रीय समझौते को अब तक लागू नहीं किया गया। पार्टी का कहना है कि यह समझौता सरकार बनाने से पहले राजनीतिक सहमति का हिस्सा था, जिसमें स्थानीय शासन, नौकरियों में कोटा प्रणाली और संसाधनों के बंटवारे जैसे अहम मुद्दे शामिल थे। कराची में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए एमक्यूएम-पी के वरिष्ठ नेता फारूक सत्तार ने इसे 'अंतिम चेतावनी' बताया और

कहा, 'यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो पार्टी ऐसा विरोध आंदोलन शुरू करेगी जिसे रोकना मुश्किल होगा।' उन्होंने कहा कि पार्टी ने न तो प्रांतीय सरकार में हिस्सेदारी मांगी और न ही अतिरिक्त अधिकार, बल्कि केवल अपने समझौते के क्रियान्वयन की मांग कर रही है।' सत्तार ने यह भी दावा किया कि समझौते के गारंटर के तौर पर शहबाज शरीफ स्वयं शामिल थे, इसलिए अब केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह इसे लागू कराए। उन्होंने कहा कि 18 में से एक भी बिंदु अब तक लागू नहीं हुआ है, जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। पार्टी ने संविधान के अनुच्छेद 149 का हवाला देते हुए संघीय हस्तक्षेप या जनमत संग्रह की मांग भी उठाई। साथ ही कराची में स्थानीय सरकार व्यवस्था, फर्जी डोमिसाइल और सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली खत्म करने की मांग दोहराई गई।एमक्यूएम-पी, जो केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है, सिंध प्रांत में विपक्ष की भूमिका निभा रही है। पार्टी का कहना है कि कराची और अन्य शहरी क्षेत्रों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे राजनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। सरकार की एक सहयोगी पार्टी का इस तरह खुलकर विरोध करना शहबाज सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बन सकता है और गठबंधन के भीतर असंतोष को भी उजागर करता है।

सुप्रीम लीडर को अंतिम विदाई देने के लिए ईरान को दी एक हफ्ते की मोहलतः ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में ईरान को लेकर एक बार फिर विवादित और तीखा बयान दिया है। ट्रंप ने दक्षिण डकोटा में दावा किया कि उन्होंने मानवता के नाते सुप्रीम लीडर के अंतिम संस्कार की रस्में अदा करने के लिए ईरान को 'वीक ऑफ' (एक हफ्ते की राहत) दिया है। माउंट रशमोर में अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान ट्रंप ने शुक्रवार रात (स्थानीय समयानुसार) दोहराया कि पश्चिम एशिया में तनाव के बीच अमेरिका की कार्रवाई से ईरानी नेतृत्व 'कमजोर' हुआ है और वे 'समझौता करने को मजबूर' हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह अस्थायी विराम 'मानवीय कारणों' से दिया गया था। ट्रंप ने कहा, ' हमने ईरान को पूरी तरह से हिला कर रख दिया है। कुछ समय पहले तक वे मध्य पूर्व में तबाही मचा रहे थे, लेकिन हमने उन्हें घुटनों पर ला दिया। अब वे किसी भी कीमत पर हमसे समझौता करना चाहते हैं। ' अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, 'ईरान को मानवता के नाते सुप्रीम लीडर के अंतिम संस्कार की रस्मों को पूरा करने के लिए वीक ऑफ (एक हफ्ते की मोहलत) दी गई है, क्योंकि हम अच्छे लोग हैं। लेकिन इसके तुरंत बाद, उन्हें अमेरिकी शर्तों को मानना होगा। ' उन्होंने अपने संबोधन में यह भी दावा किया कि अमेरिका ने वेनेजुएला जैसे देशों में भी तेजी से कार्रवाई करते हुए 'विजय' हासिल की है और अमेरिकी सैन्य शक्ति को मजबूत किया है। ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की भी आलोचना की और उन्हें प्रशासनिक अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार ठहराया। इस दौरान, उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर बड़े दावे किए और कहा कि उनके कार्यकाल में रिकॉर्ड निवेश और औद्योगिक विकास हुआ है।

ट्रंप सरकार का पाकिस्तान को बढ़ावा देना अमेरिका को ही पड़ेगा महंगा : रिपोर्ट

एजेंसी

तेल अवीव । पाकिस्तान ऐसी परिस्थिति में पहुंच सकता है, जहां इतिहास बताता है कि अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक अहमियत रखने वाले देशों की सरकारों पर अक्सर उनकी घरेलू शासन संबंधी नाकामियों के बावजूद बाहरी दबाव अपेक्षाकृत कम रहता है। हाल के समय में अमेरिका पाकिस्तान को काफी करीब लेकर आया। ऐसे में एक रिपोर्ट में हवाला दिया गया है कि पाकिस्तान को बढ़ावा देना अमेरिका को ही भारी पड़ सकता है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, चाहे अमेरिका का पाकिस्तान के प्रति नरम रुख हो या फिर मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोपों के बावजूद यूरोपीय संघ से जीएसपी-प्लस का दर्जा जारी रखना, अंतरराष्ट्रीय साझेदार क्षेत्रीय रणनीतिक महत्व के कारण इस्लामाबाद की खुलकर आलोचना करने से बचते नजर आते हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि यह रुझान जारी रहा, तो इसके गंभीर राजनीतिक और सामाजिक परिणाम सामने आ सकते हैं। इसका असर राजनीतिक विरोधियों, जातीय अल्पसंख्यकों और व्यापक क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ने की आशंका है।

इटली के राजनीतिक सलाहकार, लेखक और भू-राजनीतिक विशेषज्ञ सर्जियो रेस्टेली ने 'टाइम्स ऑफ इजरायल' के लिए अपने लेख में कहा, 'इतिहास अक्सर खुद को दोहराता है और दूरदृष्टि की कमी वाले नेता अपने पूर्ववर्तियों की गलतियों को दोहराते हैं। ट्रंप सरकार का पाकिस्तान को प्रोत्साहन देना ऐसी ही एक भूल है, जिसकी भारी कीमत अमेरिका को चुकानी पड़ेगी। ' उन्होंने आगे लिखा, '1979 में अमेरिका और सऊदी अरब ने जनरल जिया-उल-हक के नेतृत्व वाले पाकिस्तान का इस्तेमाल अफगानिस्तान में सोवियत संघ (यूएसएसआर) के खिलाफ एक प्रॉक्सी युद्ध शुरू करने के लिए रणनीतिक रूप से किया था। इसके बाद के दशकों में पाकिस्तान ने दोनों पक्षों के साथ अपने हित साधे और इसी रणनीतिक गलती का अंतिम परिणाम 11 सितंबर 2001 का आतंकी हमला रहा। ' उन्होंने कहा, 'आतंक के खिलाफ लड़ाई के दौरान पाकिस्तान पर अमेरिका की लगातार निर्भरता ने न सिर्फ काबुल को तालिबान के हाथों में सौंप दिया, बल्कि अमेरिका को भी भारी कीमत चुकानी पड़ी। ' विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने के बावजूद, पाकिस्तान ने अफगान बॉर्डर पर सैन्य ऑपरेशन जारी रखा है, जिससे तालिबान अधिकारियों के साथ तनाव बढ़ गया। सीमा पार हमलों और हथियारों से होने वाली मुठभेड़ों की बढ़ती संख्या ने इस बात की चिंता बढ़ा दी है कि इस्लामाबाद अपने पड़ोस में डिप्लोमैटिक बातचीत को लेकर जबरदस्ती कर रहा है।

बाहरी शक्तियों के सैन्य प्रदर्शन का मंच नहीं होर्मुज, उकसाया तो दिया जाएगा जवाबः ईरान

एजेंसी

तेहरान । दिवंगत सुप्रीम लीडर को अंतिम विदाई का कार्यक्रम तेहरान में जारी है। इस बीच, होर्मुज को लेकर पश्चिमी देशों की मंशा पर सवाल उठाते हुए ईरान ने स्पष्ट कहा कि 'रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट किसी भी बाहरी क्षेत्रीय शक्तियों के सैन्य प्रदर्शन का मंच नहीं है ', और चेतावनी दी कि किसी भी तरह के उकसावे का बराबर जवाब दिया जाएगा। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि इस समुद्री मार्ग की सुरक्षा क्षेत्रीय देशों की जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की सैन्य गतिविधि को गंभीरता से लिया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट बाहरी क्षेत्रीय शक्तियों के सैन्य प्रदर्शन का मंच नहीं है। ईरान, स्ट्रेट की सुरक्षा का जिम्मेदार देश होने के नाते, इस जलमार्ग में किसी भी सैन्य गतिविधि के प्रति चेतावनी देता है। इसकी सुरक्षा क्षेत्रीय देशों के हाथों में है और उकसाने वाली गतिविधियों के परिणामों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। ' यह प्रतिक्रिया ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर

स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के उस संयुक्त बयान के बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि ओमान ने ब्रिटेन और फ्रांस के साथ मिलकर हॉर्मुज स्ट्रेट में नौवहन सुरक्षा सुनिश्चित करने पर सहमति जताई है। संयुक्त बयान में कहा गया था कि यह जलमार्ग वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और सभी देशों के जहाजों की सुरक्षित आवाजाही वैश्विक चिंता का विषय है। इसमें यह भी उल्लेख किया गया कि ब्रिटेन और फ्रांस 'बहुराष्ट्रीय सैन्य मिशन' के तहत नौवहन स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं। ईरान ने इससे पहले भी इस पहल की आलोचना करते हुए कहा था कि पश्चिमी देश फारस की खाड़ी और होर्मुज क्षेत्र में सुरक्षा ढांचे पर खुद को थोपने की कोशिश कर रहे हैं। उप विदेश मंत्री गरीबाबादी ने दावा किया था कि इस क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था ईरान के अधिकार क्षेत्र में है और बाहरी सैन्य कमांड इसके लिए वैध नहीं है।

पाकिस्तान की तरफ से बांग्लादेश के लिए भाईचारे का संदेश दिखावा है : रिपोर्ट

एजेंसी

ढाका । पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच हाल के दिनों में बढ़ती कूटनीतिक नजदीकियां उस मानवीय त्रासदी के बिल्कुल विपरीत दिखाई देती हैं, जो कराची की मछर कॉलोनी और मूसा कॉलोनी जैसी तंग और खुले नालों वाली झुग्गी बस्तियों में सामने आ रही है। यहां अनुमानित 30 लाख बांग्लादेशी मूल के बंगाली ऐसे हालात में रह रहे हैं, जिनकी तरफ न तो सरकार का ध्यान है और न ही नगर प्रशासन का। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तानी धरती पर पैदा होने और आधी सदी से ज्यादा समय से वहां रहने के बावजूद, सरकार उनके साथ गलत बर्ताव करती है। बांग्लादेशी मीडिया 'डेली वादा' ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'पाकिस्तान एक ओर बांग्लादेश के साथ कूटनीतिक संबंध मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, जबकि दूसरी ओर उनकी अपनी ही सीमाओं के भीतर रहने वाले लाखों बंगालियों का जीवन बदहाल है। ' रिपोर्ट के अनुसार, 'यह आबादी 1971 के रक्तरंजित विभाजन की विरासत है।

जब पूर्वी पाकिस्तान अलग होकर स्वतंत्र बांग्लादेश बना, तब लाखों बंगाली पश्चिमी पाकिस्तान, खासकर कराची के बंदरगाहों और मछली उद्योग से जुड़े इलाकों में रह गए। समय के साथ उनकी आबादी लगातार बढ़ती गई। ' इसमें आगे कहा गया, 'आज, बंगालियों की तीन पीढ़ियां सिर्फ पाकिस्तान की मिट्टी को जानती हैं। वे उर्दू बोलते हैं, क्रिकेट मैचों में पाकिस्तानी झंडा लहराते हैं और आर्थिक योगदान देते हैं। फिर भी, उन्हें सबसे जरूरी कागजात 'राष्ट्रीय पहचान पत्र' तक नहीं दिया जाता। ' रिपोर्ट में कहा गया कि सिविल लाइफ के इस डिजिटल पासपोर्ट के बिना, कोई भी व्यक्ति सरकार की नजर में नहीं रहता। वे वोट नहीं दे सकते, बैंक अकाउंट नहीं खोल सकते, प्रॉपर्टी नहीं खरीद सकते या आधिकारिक तौर पर कोई नौकरी नहीं पा सकते। कराची की बंगाली कॉलोनियों के युवाओं के लिए, डॉक्यूमेंटेशन की कमी एक ऐसी दीवार बन जाती है, जिसे पार नहीं किया जा सकता।

रिपोर्ट में बताया गया कि 2024 के जुलाई विद्रोह के दौरान शेख हसीना की सरकार के हटने के बाद पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच एक दशक से चले आ रहे तनावपूर्ण संबंध सुधरने लगे और पाकिस्तानी डिप्लोमैट और सैन्य अधिकारियों ने बांग्लादेश के लोगों के लिए रेड कार्पेट बिछाया। इसमें कहा गया, 'पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार समेत बड़े लोग अंतरिम सरकार के समय में ढाका गए और इंटेलिजेंस शेयरिंग, मिलिट्री कोऑपरेशन, स्टूडेंट स्कॉलरशिप और ट्रेड रूट्स को फिर से शुरू किया गया। '

रिपोर्ट में जोर देकर कहा गया, 'अगर इस्लामाबाद का मौजूदा नेतृत्व सच में ढाका के साथ सच्ची साझेदारी चाहता है, तो वह अब यह दिखावा नहीं कर सकता कि ये 30 लाख लोग नहीं हैं। बांग्लादेश के लिए भाईचारे का संदेश खोखला लगता है, जबकि कराची की झुग्गियों के बच्चों को सिर्फ उनके इतिहास की वजह से पढ़ाई का हक नहीं दिया जा रहा है। '

फ्रांस में जून 2026 अब तक का सबसे गर्म महीना, बढ़ते तापमान ने ली कई लोगों की जान

एजेंसी

पेरिस । फ्रांस की मौसम एजेंसी मेटेओ-फ्रांस ने जारी अपनी मासिक जलवायु रिपोर्ट में कहा कि जून 2026, वर्ष 1947 में रिकॉर्ड रखना शुरू होने के बाद से फ्रांस का सबसे गर्म जून रहा। इस दौरान औसत तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 के औसत से 3.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। गर्मी की वजह से हुई मौत का आंकड़ा चौंकाने वाला है। पब्लिक वेदर सर्विस के अनुसार, जून 2026 जून 2003 के पिछले रिकॉर्ड को पार कर जाएगा, जब तापमान 1991-2020 के औसत से 3.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 17 जून को शुरू हुई हीटवेव ने 22 से 26 जून तक पूरे देश में तापमान को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया। मेटियो-फ्रांस ने कहा कि 24 और 25 जून फ्रांस में अब तक के सबसे गर्म दिन थे। 1947 के बाद पहली बार देश का 24 घंटे का औसत तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। गर्मी की लहर, जो जल्दी, लंबे समय तक चलने वाली और बहुत तेज थी, 30 जून तक जारी रही। मेटियो-फ्रांस के अनुसार, फ्रांस में कुल 72 विभाग को रेड हीटवेव अलर्ट पर रखा गया था, जो 2004 में अलर्ट सिस्टम बनने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा स्तर है। देश की पब्लिक स्वास्थ्य एजेंसी ने जानकारी दी कि शुरुआती सर्विलांस डेटा से पता चला है कि 22 से 28 जून तक हीटवेव के दौरान फ्रांस में सभी वजहों से 2,025 ज्यादा मौतें हुईं, जो पिछले हफ्ते से 29.1 फीसदी से ज्यादा हैं। इलेक्ट्रॉनिक डेथ सर्टिफिकेट पर आधारित डेटा, अभी देश में होने वाली मौतों का लगभग 60 फीसदी कवर करता है। इसका मतलब है कि असल में मरने वालों की संख्या इन शुरुआती आंकड़ों से ज्यादा हो सकती है।

तियानमेन स्क्वायर बरसी पर चीन में डिजिटल सेंसरशिप, इमोजी भी नहीं इस्तेमाल कर पाए लोगः रिपोर्ट

एजेंसी

कम्पाला। चीन में तियानमेन स्क्वायर दमन की 37वीं बरसी के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर सेंसरशिप और सख्त कर दी गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीनी अधिकारियों ने केवल राजनीतिक सामग्री ही नहीं, बल्कि उन प्रतीकों और संकेतों पर भी निगरानी बढ़ा दी जो स्मरण और विरोध के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं। इन प्रतीकों में नंबर, मोमबत्तियां, चित्र और इमोजी शामिल हैं, जिसका ऑनलाइन इस्तेमाल कर लोग मृतकों को श्रद्धांजलि देते हैं और अपना विरोध दर्ज कराते हैं। अफ्रीकी देश युगांडा के मीडिया आउटलेट पीएमएल डेली की रिपोर्ट के अनुसार, '4 जून को चीन में ऑनलाइन सेंसरशिप में अचानक तेजी देखी गई। कई उपयोगकर्ताओं ने बताया कि उनके खातों पर रोक लगाई गई या सोशल मीडिया के कई फीचर्स अस्थायी रूप से बंद

कर दिए गए। ' रिपोर्ट में कहा गया कि यह सेंसरशिप केवल स्पष्ट राजनीतिक सामग्री तक सीमित नहीं थी, बल्कि सामान्य शब्दों, संख्याओं और प्रतीकों को भी निशाना बनाया गया। इसका उद्देश्य किसी भी तरह की स्मृति या प्रतीकात्मक विरोध को रोकना बताया गया है। विशेषज्ञों और पूर्व प्लेटफॉर्म कर्मचारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि चीन में एल्गोरिद्म आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम लगातार मजबूत हो रहा है, जो संदर्भ की परवाह किए बिना संभावित संवेदनशील सामग्री को ब्लॉक कर देता है। तियानआनमेन स्क्वायर दमन चीन में अब भी अत्यंत संवेदनशील विषय माना जाता है। 1989 में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों को सैन्य कार्रवाई के जरिए दबा दिया गया था, और तब से इस घटना पर सार्वजनिक चर्चा सीमित रही है। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल की बरसी पर डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर निगरानी और कड़ी हो गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि चीन में ऑनलाइन नियंत्रण तकनीकी उपकरणों के माध्यम से और अधिक व्यापक और स्वचालित हो गया है। मानवाधिकार और डिजिटल स्वतंत्रता से जुड़े विशेषज्ञों ने इस स्थिति पर चिंता जताई है और कहा है कि यह प्रवृत्ति अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डिजिटल अधिकारों पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चीन में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को अब हर समय इस जोखिम के साथ ऑनलाइन रहना पड़ता है कि उनका कंटेंट हटाया जा सकता है या उनका अकाउंट अचानक बंद किया जा सकता है।

फरवरी 2022 से अब तक यूक्रेनी हमलों में लगभग 8,500 रूसी नागरिक मारे गएः मॉस्को

एजेंसी

मॉस्को । रूस के विदेश मंत्रालय के एम्बेसडर-एट-लार्ज रोडियन मिरोशनिक ने एक ब्रीफिंग में कहा कि फरवरी 2022 से यूक्रेन के सैन्य हमलों में रूस में लगभग 8,500 आम लोगों की जान गई है। मिरोशनिक ने (स्थानीय समयानुसार) को जानकारी देते हुए बताया कि फरवरी 2022 से लेकर 30 जून 2026 तक हताहतों की कुल संख्या 30,913 तक पहुंच गई है, जिनमें लगभग 8,434 लोगों की मौत शामिल है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मिरोशनिक ने कहा कि पिछले तीन महीनों में यूक्रेन के हमलों ने रूस के 42 इलाकों में सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचाया है।

मिरोशनिक ने कई हाई-प्रोफाइल घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने स्टारोबेल्स्क में एक कॉलेज पर हमला, ब्रांस्क इलाके में बेलारूसी बच्चों को ले जा रही बस पर हमला और येनाकीयेवो में एक आम पैसेंजर बस पर हमले के बारे में बात की। मिरोशनिक ने यह भी बताया कि 2014 से अब तक कुल 373 बच्चे मारे गए हैं और 1,845 घायल हुए हैं। रूस ने यूक्रेन के आम लोगों के ठिकानों पर हमलों की निंदा की है और यूनाइटेड नेशंस हाई कमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स के ऑफिस को एक ऑफिशियल डिप्लोमैटिक नोट भेजा है, जिसमें इन घटनाओं की इंटरनेशनल जांच की मांग की गई है।

एक अन्य मामले में मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने बताया कि रूसी वायु सेना ने शुरुआत से मॉस्को को निशाना बनाने वाले 28 ड्रोन मार गिराए हैं। मेयर ने सोशल मीडिया पर कहा कि रात को रूसी राजधानी की ओर बढ़ रहे आठ और ड्रोन मार गिराए गए। सोब्यानिन ने कहा, 'इमरजेंसी सर्विस क्रू मलबे वाली जगह पर काम कर रहे हैं। ' इसके अलावा, रूस ने दावा किया कि उसकी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के कोंस्तांतिनोवका शहर पर पूरा नियंत्रण कर लिया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के कॉस्तांतिनोवका शहर पर पूरा नियंत्रण स्थापित कर लिया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण बताया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव के हवाले से आरआईए नोवोस्ती ने बताया, 'कॉस्तांतिनोवका पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया गया है।'

खामेनेई की तदफीनः ईरान ने किए विशेष इंतजाम, 9 जुलाई को होंगे सुपुर्द-ए-खाक

एजेंसी

तेहरान । ईरान के दिवगंत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को अंतिम विदाई देने का समारोह तेहरान के ग्रैंड इमाम खुमैनी मुसल्ला में शुरू हो गया। अपने लीडर को देखने के लिए बड़ी तादाद में शोकाकुल लोग जुटे हैं। प्रेस टीवी के अनुसार, तड़के शुरू हुए इस समारोह के साथ ही ग्रैंड इमाम खुमैनी मुसल्ला शोक और श्रद्धांजलि व्यक्त करने आए लोगों से भर गया। बड़ी संख्या में लोग अपने नेता को अंतिम विदाई देने के लिए वहां पहुंचे हैं। स्मृति समारोह के आयोजन मुख्यालय के अनुसार, अंतिम विदाई का यह कार्यक्रम रविवार तक ग्रैंड इमाम खुमैनी मुसल्ला में जारी रहेगा। तेहरान में जनाजे का जुलूस सोमवार को तय किया गया है। मंगलवार को कॉम और मशहद में भी कुछ रस्में सम्पन्न की जाएंगी, जहां खामेनेई को इमाम रजा दरगाह में दफनाया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, बुधवार को पवित्र शहरों नजफ और कर्बला में भी विशेष कार्यक्रम होंगे। तेहरान में अलग-अलग देशों के राष्ट्राध्यक्षों, गणमान्य व्यक्तियों और दुनिया भर के धार्मिक नेताओं ने आधिकारिक तौर पर श्रद्धांजलि दी। भारत सरकार की ओर से आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन शामिल हुए।

पीएम मोदी को ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले जान से मारने की धमकी, ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा एजेंसियां सतर्क, हाई लेवल जांच शुरू

एजेंसी

मेलबर्न/कैनबरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगले सप्ताह प्रस्तावित ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले एक बड़ी सुरक्षा चिंता सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाकर दी गई एक कथित ऑनलाइन धमकी की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है। 'द ऑस्ट्रेलिया टुडे' की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कथित धमकी सोशल मीडिया/ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उस समय सामने आई है, जब पीएम मोदी अपने तीन देशों (इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड) के आधिकारिक दौरे के हिस्से के रूप में ऑस्ट्रेलिया पहुंचने वाले हैं। ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस (AFP) ने संभाला मोर्चा : रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस (AFP) ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया है और इसकी गहन जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा एजेंसियां उस अकाउंट के स्रोत और आईपी एड्रेस (IP Address) को ट्रैक करने में जुटी हैं, जिसके जरिए यह कथित धमकी भरा पोस्ट साझा किया गया था। हिंसक भाषा का प्रयोगः बताया जा रहा है कि इस ऑनलाइन पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ बेहद हिंसक और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था, जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। विश्वसनीयता का आकलनः अधिकारी फिलहाल इस संदेश के मूल उद्गम (Origin) की तलाश कर रहे हैं और सुरक्षा के लिहाज से इस धमकी की गंभीरता व क्रेडिबिलिटी का आकलन कर रहे हैं।

फिलहाल कोई गिरफ्तारी नहीं: अभी तक ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से किसी भी संदिग्ध की पहचान उजागर नहीं की है और न ही इस मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी की घोषणा की गई है। एएफपी ने भी जारी जांच के संवेदनशील होने के कारण कोई विस्तृत सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। अगले सप्ताह मेलबर्न पहुंचेंगे प्रधानमंत्री मोदी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न पहुंचने वाले हैं, जहां वे ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ वार्षिक नेता शिखर सम्मेलन (Annual Leaders' Summit) में भाग लेंगे। इस महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच कई रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं-व्यापार और निवेश (Trade and Investment), महत्वपूर्ण खनिज (Critical Minerals), रक्षा सहयोग , भारत-प्रशांत क्षेत्रीय सुरक्षा। आधिकारिक बैठकों और द्विपक्षीय वार्ता के अलावा, प्रधानमंत्री मोदी का वहां के शीर्ष व्यापारिक नेताओं और ऑस्ट्रेलियाई भारतीय प्रवासियों के साथ भी संवाद का कार्यक्रम तय है। पीएम एंथनी अल्बनीज ने मोदी को बताया 'मित्र' : इस दौरे से पहले ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की गर्मजोशी को रेखांकित किया। उन्होंने नरेंद्र मोदी को अपना एक 'सच्चा मित्र' बताते हुए कहा कि वे ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारतीय प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए बेहद उत्सुक हैं। दोनों नेता इस बैठक में भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा बहुआयामी द्विपक्षीय सहयोग को नई गहराई देने के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे। ऑस्ट्रेलिया में विदेशी राष्ट्राध्यक्षों और वीवीआईपी (VVIP) मेहमानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस (AFP), प्रांतीय राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के समन्वय से संभाली जाती है। हालांकि अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ऑनलाइन धमकी को लेकर जांच सक्रियता से चल रही है, लेकिन सुरक्षा कारणों और ऑपरेशनल प्रोटोकॉल के चलते इसकी रणनीतिक जानकारियां सार्वजनिक नहीं की गई हैं। कथित धमकी के पीछे की वास्तविक मंशा और मकसद क्या था, इसकी जांच अभी जारी है।

page 1 and 8 July 6_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/5/2026 8:57 PM Page 2

साहिब बंदगी द्वारा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

साहिब बंदगी के सद्गुरु श्री मधुपरमहंस जी महाराज ने आज अखनूर में अपने प्रवचनों की अमृतवर्षा से संगत को निहाल करते हुए कहा कि वैज्ञानिकों ने अभी यह बोला है कि सोते हुए भी हमारा दिमाग काम करता है। वेहोशी में भी आदमी स्वांस ले रहा है। वैज्ञानिक तो आज बोल रहे हैं, पर ये तथ्य पहले से प्रमाणित हैं। सुरति ध्यान है। निरति सारे शरीर को चलाती है। सुरति मुख्य चीज है। ये दोनों एक हो जाएँ तो बात बन जाती है। निरति तो सुरति का अंग है। सुरति को मन घुमाता रहता है।

आप मृतक अवस्था को छोड़कर किसी भी अवस्था में पहुँच जाते हैं, आपके शरीर की प्रकृयाएँ चलती रहती हैं।

आप किसी पचड़े में नहीं पड़ना। एक लड़का था। कभी कहता था कि माँ, आज बर्फी खानी है। माँ बनाती थी।

कभी कहती थी कि आज क्रीम खानी है। कभी कहता था कि आज मक्खन खाना है। कभी कहता था कि आज फलानी चीज खानी है। उसके बाप ने कहा कि तू रोज माँ को परेशान करता है। कभी यह खाना तो कभी वो। तू दूध पी लिया कर। जो चीजें खाने को तू बोलता है, सब उसी से बनता है। इस तरह साहिब कह रहे हैं कि सुमिरन करना। सब उसी में आ जायेगा। जप, तप, संयम, साधना, सब सुमिरन में आ जायेंगे। सुमिरन के समान कुछ भी नहीं है। मैं अपने प्रोग्राम के अंत में बोलता हूँ कि सुमिरन करना। सुमिरन सुरति और निरति को मिला देगा।

जो नाम जप रहा है, वो सयाना है। रामायण में तुलसीदास जी कह रहे हैं कि राम जी ने तो कुछ बुरे लोगों को तारा, पर नाम ने करोड़ों बुरे लोगों का कल्याण किया।

सुमिरन से ही सुख मिलता है। सुमिरन से ही दुखों का नाश होता है। कबीर साहिब कह रहे हैं कि सुमिरन करने से साईं में जाकर समाता है।

जैसे आप चलते हैं कि पैर आगे बढ़ाते हैं। इस तरह निरति इस शरीर को एक्टिव करती है। रोम रोम में निरति समाई है। वो स्वांस लेती है। और स्वांस से पूरे शरीर को चेतन रखती है। सुरति और निरति दोनों को मन मिलने नहीं देता है। निरति सुरति का ही अंग है। स्वांसा से निरति चेतन है। दोनों के मिलने से ही आत्मा को जाना जा सकता है। इसलिए खाते-पीते, सोते-जागते, चलते-फिरते आप सुमिरन करना।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने लद्दाख के पश्मीना क्षेत्र को मजबूत करने के लिए दो ऐतिहासिक पहल को मंजूरी दी

पश्मीना पालकों के लिए उत्पादन आधारित 25 प्रतिशत टॉप-अप प्रोत्साहन को स्वीकृति, सहकारी समितियों के लिए 8 करोड़ रुपये के रिवॉल्विंग फंड को भी मिली मंजूरी

लेह, 05 जुलाई। उपरायपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने नवगठित लद्दाख पश्मीना विकास बोर्ड (एलपीडीबी) की पहली बैठक में लद्दाख के विश्व प्रसिद्ध पश्मीना उद्योग को सशक्त बनाने तथा चांगपा घुमंतू पशुपालक समुदाय की आजीविका में सुधार लाने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णयों को मंजूरी दी।

शनिवार को उपरायपाल ने पहली बार लागू किए जा रहे पशुधन विकास प्रोत्साहन कार्यक्रम को स्वीकृति दी। इस योजना के तहत पश्मीना खरीद के कुल मूल्य पर पात्र पश्मीना पालकों को 25 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि (टॉप-अप इंसेंटिव) प्रदान की जाएगी, ताकि स्थानीय स्तर पर पश्मीना उत्पादन को बढ़ावा मिल सके।

इसके अलावा उपरायपाल ने ऑल चांगथांग पश्मीना ग्रोअर्स कोऑपरेटिव मार्केटिंग सोसाइटी लिमिटेड (एसीपीजीसीएमएस) के लिए 8 करोड़ रुपये के रिवॉल्विंग फंड को भी मंजूरी दी। इस राशि का उपयोग घुमंतू पशुपालकों से कचे पश्मीना की खरीद तथा उन्हें समय पर अग्रिम भुगतान सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा।

इन दोनों पहलों का उद्देश्य सतत पशुधन विकास को बढ़ावा देना, पश्मीना बकरियों की संख्या बढ़ाना, सहकारी खरीद प्रणाली को मजबूत करना, लद्दाखी पश्मीना की गुणवत्ता एवं उत्पादन में वृद्धि करना, घुमंतू पशुपालकों की आय बढ़ाना तथा मजबूरी में कम कीमत पर पश्मीना बेचने की स्थिति को समाप्त करना है।

इन पहलों से युवा पीढ़ी भी चांगथांगी पश्मीना बकरियों के पारंपरिक पालन-पोषण व्यवसाय को अपनाने के लिए प्रेरित होगी, क्योंकि यह अधिक लाभदायक और सम्मानजनक व्यवसाय बन सकेगा।

लद्दाख विश्वभर में अपनी स्वदेशी चांगथांगी नस्ल की बकरियों से प्राप्त होने वाले सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले पश्मीना के लिए प्रसिद्ध है। इन बकरियों का पालन चांगथांग क्षेत्र के चांगपा घुमंतू समुदाय द्वारा किया जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में पशुपालन की बढ़ती लागत, कठोर जलवायु परिस्थितियों तथा बाजार में मूल्य के उतार-चढ़ाव के कारण पशुधन उत्पादकता और पशुपालकों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बोर्ड की पहली बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद उपरायपाल ने पशुधन विकास प्रोत्साहन कार्यक्रम को मंजूरी दी। इसके तहत पात्र चांगपा पशुपालकों को सरकार द्वारा निर्धारित खरीद मूल्य के अतिरिक्त 25 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से लाभार्थियों के आधार से जुड़े बैंक खातों में सीधे भेजी जाएगी।

यह अपने प्रकार की पहली योजना है, जिसका उद्देश्य पश्मीना बकरी पालन को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाना है। योजना के तहत मिलने वाली अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि का 60 प्रतिशत हिस्सा पशुधन सुधार तथा वैज्ञानिक प्रजनन पर खर्च किया जाएगा। 20 प्रतिशत राशि बेहतर कंघी उपकरणों एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास पर खर्च होगी, जबकि शेष 20 प्रतिशत राशि पशुपालक अपने व्यक्तिगत एवं पारिवारिक आवश्यकताओं पर खर्च कर सकेंगे, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। बोर्ड की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अगले तीन वर्षों में लद्दाख में पश्मीना बकरियों की संख्या वर्तमान लगभग दो लाख से बढ़ाकर कम से कम चार लाख की जाएगी। साथ ही वैज्ञानिक तकनीकों और आधुनिक उपकरणों के उपयोग से प्रति बकरी कचे पश्मीना का औसत उत्पादन वर्तमान 200 ग्राम से बढ़ाकर कम से कम 350 ग्राम करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पशुधन विकास प्रोत्साहन कार्यक्रम के अतिरिक्त उपरायपाल ने एसीपीजीसीएमएस के लिए 8 करोड़ रुपये के रिवॉल्विंग फंड के गठन एवं संचालन संबंधी नीति को भी मंजूरी दी। यह सहकारी संस्था घुमंतू पशुपालकों से सीधे कचे पश्मीना की खरीद करने वाली शीर्ष संस्था है।8 करोड़ रुपये के इस फंड का उपयोग केवल कचे पश्मीना की खरीद तथा उत्पादकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा। इस व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह होगी कि सहकारी समिति कचे पश्मीना की कीमत का 50 प्रतिशत भुगतान खरीद के समय ही पशुपालकों को कर देगी, जबकि शेष 50 प्रतिशत राशि दो माह के भीतर प्रदान कर दी जाएगी।

गाजर एक महत्वपूर्ण जड़ वाली स्वादिष्ट और पौष्टिक सब्जी

गाजर एक महत्वपूर्ण जड़ वाली स्वादिष्ट और पौष्टिक सब्जी है। इसकी खेती पूरे देश में की जाती है। इसकी जड़े, सब्जी, सलाद, अचार, मुरब्बा और हलवा आदि में प्रयोग होती है। अच्छे गुणों वाली मोटी, लम्बी, लाल या नारंगी रंग की जड़ों वाली गाजर अच्छी मानी जाती है। इसकी मुलायम पत्तियों का सब्जी के लिए प्रयोग किया जाता है। इसमें औषधीय गुण पाये जाते है। इससे भूख बढ़ती है तथा यह गुर्दे के लिए लाभदायक है। नारंगी रंग वाली किस्मों में विटामिन ए (कैरोटिन) की मात्रा अधिक होती है। गाजर की अच्छी पैदावार के लिए वैज्ञानिक खेती करना आवश्यक है जिसका संक्षिप्त वर्णन इस लेख में किया गया है।

गाजर ठण्डे मौसम की फसल है। गाजर के रंग और आकार पर तापक्रम का बहुत असर पड़ता है। अच्छे आकार व आकर्षक रंग के लिए तापमान 12 से 25 डिग्री सेंटीग्रेट उपयुक्त रहता है।

गाजर की अच्छी पैदावार के लिए गहरी भूरभूरी, हल्की दोमट भूमि, जिसका पी एच 6.5 के लगभग हो, उपयुक्त होती है। भूमि में पानी का निकास अच्छा होना आवश्यक है। खेत को बिजाई से पहले समतल करें व 2 से 3 गहरी जुताई करें। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा लगाऐं ताकि ढेले टूट जाएं। गोबर की खाद को भी खेत तैयार करते समय अच्छी तरह मिला दें।

अच्छे गुणों वाली मोटी, लम्बी, लाल या नारंगी रंग की जड़ों वाली गाजर अच्छी मानी जाती है। गाजर के जड़ के बीच का कठोर भाग कम और गूदा अच्छा होना चाहिए। गाजर की किस्मों को मुख्यत: दो वर्गों में बांटा जा सकता है, जो इस प्रकार है, जैसे-

यूरोपियन किस्में- इसकी जड़े सिलैंडरीकल, मध्यम लम्बी, पुंछनुमा सिरेवाली और गहरे संतरी रंग की होती है। इनकी औसत उपज 250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। इन किस्मों को ठण्डे तापमान की आवश्यकता होती है। यह किस्में गर्मी सहन नहीं कर पाती है। इसकी प्रमुख किस्में- नैन्टीज, पूसा यमदागिनी, चैन्टने आदि है।

एशियाई किस्में- यह किस्में अधिक तापमान सहन कर लेती है, जो इस प्रकार है, जैसे- पूसा मेघाली, गाजर नं- 29, पूसा केशर, हिसार गेरिक, हिसार रसीली, हिसार मधुर, चयन नं- 223, पूसा रुधिर, पूसा आंसिता और पूसा जमदग्नि प्रमुख है। इनकी अगेती बुवाई अगस्त से सितम्बर में की जाती है। हालाँकि इसकी बुवाई अक्टूबर तक की जा सकती है।

एशियन किस्मों की बुवाई अगस्त से सितम्बर और यूरोपियन किस्मों की बुवाई अक्टूबर से नवम्बर तक करनी चाहिए। प्रति हैक्टेयर 10 से 12 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है।

बुवाई की विधि

अच्छी पैदावार व जड़ों की गुणवत्ता के लिए बिजाई हल्की डोलियों पर करनी चाहिए। डोलियों के बीच का फासला 30 से 45 सेंटीमीटर व पौधों का परस्पर फासला 6 से 8 सेंटीमीटर होना चाहिए। डोलियों की चोटी पर 2 से 3 सेंटीमीटर गहरी नाली बनाकर बीज बोना चाहिए।

औसत दर्जे की जमीन में लगभग 20 से 25 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हैक्टेयर जुताई करते समय डालें। 20 किलोग्राम शुद्ध नाइट्रोजन, 20 किलोग्राम फास्फोरस व 20 किलोग्राम पोटाश की मात्रा बिजाई के समय प्रति हैक्टेयर के खेत में डालें। 20 किलोग्राम नाइट्रोजन लगभग 3 से 4 सप्ताह बाद खड़ी फसल में लगाकर मिट्टी चढ़ा से दें।

गाजर में 5 से 6 बार सिंचाई करने की आवश्यकता होती है। अगर खेत में बिजाई करते समय नमी कम हो तो पहली सिंचाई बिजाई के तुरंत बाद करनी चाहिए। ध्यान रहे पानी की डोलियों से ऊपर ना जाए बल्कि 3/4 भाग तक ही रहें, बाद की सिंचाईयां मौसम व भूमि की नमी के अनुसार 15 से 20 दिन के अन्तर पर करें।

खरपतवार की रोकथाम हेतु 2 से 3 बार निराई-गुड़ाई बुवाई के लगभग 4 सप्ताह बाद करके मिट्टी चढ़ा दें। यदि खेत में अधिक खरपतवार उगते है या रासायनिक खरपतवार नियंत्रण करना चाहते है, तो पेंडीमेथिलीन 30 ई सी 3 किलोग्राम को 900 से 1000 लीटर पानी में घोलकर बुवाई से 48 घंटे के अंदर समानांतर छिडकाव करे। जिससे शुरू के 30 दिन तक खरपतवार नही उगेंगे।

गाजर में मुख्यत: एक बीमारी अल्टरनेरिया ब्लाइट जिसमें पत्तियों पर अनेक पीले भूरे रंग के धब्बे बनते है, जिनमें कभी-कभी धारियां भी साफ दिखाई देती है का प्रकोप होता है।

नियंत्रण- इसकी रोकथाम हेतु खेत की सफाई रखें और हीरनखुरी व सांठी खेत में ना रहने दें। फसल पर 10 से 12 दिन के अंतराल पर 0.2 प्रतिशत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड या मैंकोजेब का 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टेयर छिड़काव करें। इस फसल पर कीड़ों का प्रकोप बहुत कम होता है।

जड़ों की खुदाई करने की अवस्था किस्म पर निर्भर करती है। जड़ों की मुलायम अवस्था में खुदाई करनी चाहिये। प्राय: एशियन किस्मों की खुदाई 100 से 130 दिनों में तथा यूरोपियन किस्मों की खुदाई 60 से 70 दिनों में करनी चाहिए।

उपरोक्त वैज्ञानिक विधि से गाजर की पैदावार और गुणवत्ता किस्म, बुवाई के समय, भूमि के प्रकार, आदि पर निर्भर करती है। इसकी अगेती फसल अगस्त में बुवाई से औसतन लगभग 20 से 25, मध्यम फसल सितम्बर से अक्टूबर में बुवाई से 30 से 40 और देर वाली फसल नवम्बर में बुवाई से 28 से 32 टन प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त होता है। सामान्य दशा में गाजर को 3 से 4 दिन से अधिक भंडारित नहीं किया जा सकता है, परन्तु छिद्रित पॉलीथीन में रखकर इसे कम से कम लगभग 2 सप्ताह तक भडारित किया जा सकता है, जबकि छिद्रित पॉलीथीन में पैक की हुई गाजर शीतगृह में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तापक्रम व 90 से 95 प्रतिशत आद्रता पर लम्बे समय (2 से 3 माह) तक आसानी से संरक्षित की जा सकती है।

एशियन गाजर का बीज उत्पादन मैदानी क्षेत्रों में सफलतापूर्वक किया जा सकता है। इसके लिए गाजर के बीज की बुवाई अगस्त से सितम्बर माह में करते हैं और अन्य शस्य कियाएं व्यावसायिक (उपरोक्त तकनीक) गाजर उत्पादन की तरह ही करते हैं। नवम्बर से दिसम्बर माह में डण्ठल (पत्तों) सहित इसकी जड़ों की खुदाई करते हैं और खुदाई के तुरन्त बाद जड़ व डण्ठल दोनो के 2 से 3 इंच भाग को छोड़कर अन्य हिस्से को काटकर अलग कर देते हैं, तत्पश्चात इन्हे पूर्णतया तैयार खेत में 30 से 30 सेंटीमीटर के अन्तराल पर 60 सेंटीमीटर दूरी की पंक्तियों में रोपाई कर देते हैं।

रोपाई से पूर्व रोग व फटने की समस्या से ग्रसित, शाखायुक्त तथा ऐसे पौंधे जिनमें असमय फूल दिखाई देने लगे को छाँटकर अलग कर देना चाहिए। जड़ों की रोपाई के तुरन्त बाद एक हल्की सिंचाई कर देनी चाहिए। चूंकि गाजर एक पर-परागित फसल है, इसलिए गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन हेतु इसकी दो किस्मों के बीच कम से कम 800 से 1000 मीटर की दूरी रखना अत्यन्त आवश्यक है। अच्छे बीज उत्पादन हेतु प्रजनक या आधारीय या प्रमाणीकृत बीज को ही प्रयोग करना चाहिए तथा किस्म की पहचान, प्रमाणीकरण, आदि की जानकारी पूर्व में ही सुनिश्चित कर लेनी चाहिए।

खेत को हमेशा खरपतवारों, कीटों तथा बिमारियों से मुक्त रखना चाहिए। गाजर के बीज मई माह के अन्त तक तैयार हो जाते हैं। पुष्पक्रम की कटाई सही अवस्था पर कर लेनी चाहिए अन्यथा देरी हाने पर बीज झड़ने लगते हैं। मड़ाई के पूर्व और कटाई के तुरन्त बाद पुष्पकर्मों को 1 से 2 सप्ताह तक सुखा लेना चाहिए। अच्छी फसल से औसतन लगभग 1000 से 2000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज आसानी से प्राप्त किया जा

मूली की उन्नत खेती

हमारे देश में मूली की खेती प्राय: सभी क्षेत्रों में की जाती है। सामान्यत: सब्जी उत्पादक कृषक सब्जियों की अन्य फसलों की मेढ़ों पर या छोटे-छोटे क्षेत्रों में मूली लगाकर आय अर्जित करते है। शीत ऋतु में भी कृषक इसकी फसल को 30 से 60 दिन में तैयार कर पुन: बोवनी कर दो बार उपज प्राप्त कर लेते हैं। यह फसल कम खर्च में अधिक उत्पादन देने वाली सलाद के लिए उत्तम हैं। जड़ वाली सब्जियों में इनका प्रमुख स्थान है। इनकी खेती सम्पूर्ण भारत वर्ष में की जाती है।

महत्व- मूली का उपयोग आमतौर पर सलाद एवं पकी हुई सब्जी के रूप में किया जाता है। इसमें तीखा स्वाद होता है, इसका उपयोग नाश्ते में दही के साथ पराठे के रूप में भी किया जाता है। इसकी पत्तियों की भी सब्जी बनाई जाती है। मूली विटामिन सी एवं खनीज तत्व का अच्छा स्त्रोत है। मूली लिवर एवं पीलिया मरीजों के लिए भी अनुसंशित है। यदि उत्पादक मूली की खेती वैज्ञानिक तकनीक से करें, तो इसकी खेती से अधिक उपज के साथ-साथ अच्छा लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इस लेख में मूली की उन्नत खेती कैसे करें का उल्लेख किया गया है।

मूली अधिक तापमान के प्रति सहनशील है। किन्तु सुगंध विन्यास और आकार के लिए ठंडी जलवायु कि आवश्यकता होती है। अधिक तापमान के कारण जड़ें कठोर और चरपरी हो जाती है। मूली कि सफल खेती के लिए 10 से 1। डिग्री सेल्सियस तापमान सर्वोत्तम माना गया है।

मूली के उत्तम उत्पादन के लिए उचित जल निकास वाली रेतीली दोमट और दोमट भूमि अधिक उपयुक्त रहती है। मटियार भूमि मूली कि फसल उगाने के लिए अनुपयुक्त रहती है, क्योंकि इस में भूमि ऐसी जड़ों का समुचित विकास नहीं हो पाता है।

मूली की खेती के लिए गहरी जुताई कि आवश्यकता होती है, क्योंकि इसकी जड़ें भूमि में गहरी जाती है। गहरी जुताई के लिए मिटटी पलटने वाले हल से जुताई करें। इसके बाद दो बार कल्टीवेटर या देशी हल चलाएँ जुताई के बाद पाटा अवश्य लगाएं, ताकि भूमि समतल और भुरभुरी हो जाये।

हमारे देश के विभिन्न क्षत्रों में मूली की दो प्रकार की किस्मे उगाई जाती है, एशियन और यूरोपियन जो इस प्रकार है, जैसे-

एशियन किस्में- पूसा चेतकी, जापानी सफ़ेद, पूसा हिमानी, पूसा रेशमी, जौनपुरी मूली, हिसार मूली न- 1, कल्याणपुर- 1, पूसा देशी, पंजाब पसंद, चाइनीज रोज, सकुरा जमा, व्हाईट लौंग, के एन- 1, पंजाब अगेती और पंजाब सफेद आदि प्रमुख है।

यूरोपियन किस्में- व्हाईट आइसीकिल, रैपिड रेड व्हाईट टिपड, स्कारलेटग्लोब और फ्रेंच ब्रेकफास्ट आदि प्रमुख है।

अच्छा उत्पादन लेने के लिए जरुरी है अच्छे बीज का चुनाव करना. मूली कुछ अच्छी प्रजातियां काफी प्रचलित हैं जैसे जापानी सफ़ेद, पूसा देशी, पूसा चेतकी, अर्का निशांत, जौनपुरी, बॉम्बे रेड, पूसा रेशमी, पंजाब अगेती, पंजाब सफ़ेद, आई.एच. आर1-1 एवं कल्याणपुर सफ़ेद है. शीतोषण प्रदेशो के लिए रैपिड रेड, ह्वाइट टिप्स, स्कारलेट ग्लोब तथा पूसा हिमानी अच्छी प्रजातियां है.

शलजम की उन्नत खेती

शलजम भारत के अधिकतर हिस्सों की फसल है। यह एक जड़ की सब्जी है, जिसका उपयोग सलाद या सब्जी के रूप में किया जाता है।

शलजम विटामिन और खनिज का स्रोत है। इसका वनस्पति भाग पशुओं के लिए पौष्टिक आहर है।

किसान भाई आधुनिक तकनीकी से इसकी खेती कर के अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते है। इसकी आधुनिक खेती से सम्बंधित कुछ सुझाव से आप को अवगत कराना चाहते है। जिनको उपयोग में लाकर आप अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकते है ।

1. शलजम की खेती के लिए ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है।

ठंडी जलवायु में इसकी उपज अच्छी मिलती है। इसके लिए तापमान 20 से 25 डिग्री सेल्शियस तक उपयुक्त रहता है।

2. इसको विभिन्न प्रकार की मिट्टी में उगाया जा सकता है। फिर भी अच्छी उपज के लिए भुरभुरी और जीवांशयुक्त उपजाऊ दोमट और हल्की रेतीली मिट्टी सबसे उपयुक्त रहती है।

खेत की तैयारी और उर्वरक

1. शलजम की खेती के लिए खेत को भुरभुरा बना लेना चाहिए। इसके लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करनी चाहिए। इसके बाद 3 से 4 जुताई देशी हल या कल्टीवेटर से करनी चाहिए और पाटा लगा देना चाहिए।

2. इसकी खेती के लिए 250 से 300 क्विंटल कम्पोस्ट या गोबर की गली सड़ी खाद पहली या दूसरी जुताई में डालनी चाहिए। ताकि वह मिट्टी में अच्छे से मिल जाए। इसके बाद 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस और 50 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर देनी चाहिए।

आखरी जुताई में फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा नाइट्रोजन की आधी मात्रा देनी चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा दो बार में खड़ी फसल में देनी चाहिए। पहली आधी जब पौधों के 4 से 5 पत्ती निकल आए तब और बची हुई मात्रा फलों के विकास के समय देनी चाहिए।

1. शलजम की एशियन या उष्णकटिबंधीय किस्में- पूसा स्वेती, पूसा कंचन, व्हाईट 4, रेड 4, शलजम एल- 1 और पंजाब सफेद आदि और यूरोपियन शीतोष्ण किस्में- गोल्डन, पर्पिल टाइप व्हाईट ग्लोब, स्नोबल, पूसा चन्द्रमा, पूसा स्वर्णिम, आदि प्रमुख है।

2. इस फसल के लिए 3 से 4 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त रहता है। इसके उपचार के लिए 3 ग्राम बाविस्टिन या कैप्टान से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करना चाहिए।

3. इसकी बुवाई का समय सितंबर से अक्तूबर और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए जुलाई से अक्तूबर उपयुक्त रहता है। इसकी बुवाई में लाइन से लाइन की दुरी 30 से 40 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दुरी 10 से 15 सेंटीमिटर और गहराई 2 से 3 सेंटीमीटर रखनी चाहिए।

1. शलजम की बुवाई के 8 से 10 दिन बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए। बाद में आवश्यकतानुसार 10 से 15 दिन के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए।

2. इस फसल में 2 से 3 निराई गुड़ाई की आवश्यकता होती है। यदि खेत में ज्यादा खरपतवार होती है तो बुवाई के बाद 2 दिन तक पेंडीमेथलिन 3 लीटर को 800 से 900 लिटर पानी मे मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए।

1. इस फसल में पिला रोग, अंगमारी और फफूंदी जैसे रोग लगते है। इनकी रोकथाम के लिए रोगरोधी किस्मों का चुनाव करना चाहिए और बीज को उपचारित कर कर बोना चाहिए। रोगी पौधों को उखाड़ कर मिट्टी में दबा देना चाहिए। इसके साथ साथ डाइथेन एम 45 या जेड ।8 का 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करना चाहिए।

2. शलजम की फसल में माहू, मुंगी, बालदार कीड़ा, सुंडी और मक्खी जैसे किट लगते है।

इनकी रोकथाम के लिए मैलाथियान 1 लीटर का ।00 से 800 लिटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए। इसके साथ साथ एंडोसल्फान 1.5 लीटर इतने ही पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए।

फसल कटाई और पैदावार

1. शलजम की खुदाई जब इसकी जड़े खाने योग्य हो जाए तभी से खुदाई शुरू कर देनी चाहिए।

2. उपरोक्त विधि से खेती करने के पश्चात इसकी पैदावार 200 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होनी चाहिए।